RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्युनतम तापमान 28 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 32 डिग्री
न्युनतम तापमान 28 डिग्री

गुरुवार 03 जुलाई 2025
सुर्योदय प्रात: 05:28 बजे
सूर्यास्त सांय 19:24 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 हिन्दू राष्ट्र का ढोल और जातिवाद का आतंक

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 258 | गाजियाबाद, गुरुवार 03 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

मुलाकात के लिए राजनीतिक दलों के 'अनधिकृत' लोगों के आग्रह को स्वीकार नहीं करेगा निर्वाचन आयोग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। निर्वाचन आयोग ने विभिन्न दलों की ओर से ''अनधिकृत'' व्यक्तियों द्वारा ''बार-बार और अलग-अलग'' बैठक के अनुरोध किए जाने के बीच बुधवार को फैसला किया कि वह केवल राजनीतिक दलों के प्रमुखों से इस तरह के संवाद का संज्ञान लेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले कई व्यक्ति बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा के लिए आयोग से समय मांग रहे हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि अब से चुनाव प्राधिकरण ''अनधिकृत व्यक्तियों'' के ऐसे अनुरोधों को खारिज कर देगा। अधिकारियों के अनुसार, कांग्रेस के एक कानूनी सलाहकार ने कई राजनीतिक दलों की ओर से इस मामले को लेकर दो जुलाई को चुनाव आयोग के साथ तत्काल बैठक की मांग की। उन्होंने एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व करने का दावा किया और 30 जून को प्राप्त ई-मेल में 'इंडिया' गठबंधन की लगभग सभी पार्टियों का नाम लिया।

चुनाव चिह्न विवाद : शिवसेना (उबाठा) की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 14 को सुनवाई करेगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना के धड़े ने पार्टी के चुनाव चिह्न संबंधी विवाद में अपनी याचिका पर राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर तत्काल सुनवाई के लिए बुधवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। इस मामले का उल्लेख न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष किया गया जिसने इसे 14 जुलाई को सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) के वकील ने पीठ को सूचित किया कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना जल्द ही जारी होने की संभावना है।

संसद सुरक्षा में सेंध का मामला : हाईकोर्ट ने आरोपी नीलम आजाद और महेश कुमावत को जमानत दी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिसंबर 2023 में संसद की सुरक्षा में चूक के मामले में दो आरोपियों को बुधवार को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने नीलम आजाद और महेश कुमावत को 50,000 रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो जमानत पर राहत प्रदान की। पीठ ने उन्हें यह निर्देश भी दिया कि घटना के संबंध में वे मीडिया संस्थानों को साक्षात्कार नहीं दें या सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं डालें। आरोपियों ने उनकी जमानत अर्जी को खारिज करने के एक निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। वर्ष 2001 में संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी वाले दिन 13 दिसंबर, 2023 को संसद की सुरक्षा में चूक की बड़ी घटना में, आरोपी सागर शर्मा और मनोरंजन डी. लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कथित तौर पर दर्शक दीर्घा से नीचे सदन में कूद गए थे।

मणिपुर में पांच उग्रवादी गिरफ्तार

✷ वेबवार्ता. इंफाल ✷। मणिपुर में पुलिस और सुरक्षा बलों ने तलाशी और घेराबंदी अभियान के तहत प्रतिबंधित भूमिगत समूहों से जुड़े पांच सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि पिछले 24 घंटों में किए गए इन प्रयासों के तहत विभिन्न प्रतिबंधित भूमिगत समूहों से जुड़े पांच सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि इरिलबुंग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत केराओ खुनौ इलाके से एक प्रतिबंधित संगठन के सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया गया।

हिमाचल में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं में 10 मरे, 34 लापता

✷ वेबवार्ता. शिमला/मंडी ✷

हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को भूस्खलन और बादल फटने की कई घटनाओं में मंडी जिले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है जबकि 34 लोग लापता हैं।

हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा अभियान केन्द्र ने यह जानकारी दी है। पिछले तीन वर्षों से राज्य में लगातार कहर बरपा रहे मानसून के कारण एक बार फिर से मंडी के कई क्षेत्रों, खासकर करसोग, थुनाग, पधर और गोहर उप-मंडलों में तबाही मची हुयी है। इस बीच 20 जून से 1 जुलाई के बीच राज्य में मौसम संबंधी घटनाओं में लगभग 90 लोगों की मौत या लापता होने की सूचना है।

बुधवार सुबह 8 बजे जारी 32 घंटे की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार मंडी के विभिन्न हिस्सों से 10 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और आधिकारिक तौर पर 34 लोगों के लापता होने की सूचना है। कई लोगों के मलबे में दबे होने या अचानक आई बाढ़ में बह जाने की आशंका है। इस दौरान पांच लोगों के घायल होने की भी सूचना है और 370 से अधिक लोगों को बचाया लिया गया है । हालांकि 11 लोग अभी भी फंसे हुए हैं।

एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की बचाव टीमों को करसोग, गोहर और थुनाग में तैनात किया गया है जहां बादल फटने से घरों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में सियांज, गोहर शामिल हैं जहां नौ लोग बह गए। यहां दो शव बरामद किए गए जबकि सात अभी तक लापता हैं।

परवाड़ा और तलवाड़ा गांव में एक ही परिवार के दो लोग लापता बताए गए हैं जिनमें से एक का शव बरामद हुआ है। थुनाग और पकरायर इलाकों में कुल 17 लोग लापता हैं जबकि दो लोगों की मौत हो गई है। कुट्टी बाईपास, ओल्ड बाजार करसोग और गोहर के बाड़ा समेत कई जगहों पर भी लोगों की मौत और कई लोगों के लापता होने की खबरें हैं। मानसून से होने वाली तबाही के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-305 के अवरुद्ध होने और 24 घरों, 12 गौशालाओं और एक जलविद्युत परियोजना को नुकसान पहुंचने की रिपोर्ट है। इस बीच राहत अभियान जारी हैं लेकिन पहाड़ी इलाकों में दूर दराज के क्षेत्रों तक पहुंचने की चुनौतियों के कारण इसमें बाधा आ रही है।

घाना के राष्ट्रपति ने किया मोदी स्वागत

✷ वेबवार्ता. शिलांग ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घाना की राजकीय यात्रा पर बुधवार को यहां पहुंचे। हवाई अड्डे पर श्री मोदी के प्रति विशेष सम्मान दिखाते हुए धाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने उनकी अगवानी की। श्री महामा का हवाई अड्डे पर श्री मोदी के स्वागत के लिए आना घाना और भारत के बीच मजबूत ऐतिहासिक मैत्रीपूर्ण संबंधों को दर्शाता है।

पिछले तीन दशकों में यह पहला मौका है, जब कोई भारतीय प्रधानमंत्री घाना की यात्रा पर आया है। इस ऐतिहासिक यात्रा से दोनों देशों के संबंध तथा भागीदारी और मजबूत होगी। श्री मोदी की यह यात्रा अफ्रीकी तथा विकासशील देशों के साथ सम्पर्क बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता दर्शाती है। प्रधानमंत्री आज सुबह ही नयी दिल्ली से घाना के लिए रवाना हुए थे।

वह घाना के बाद त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह ब्राजील के रियो डी जनेरियों में होने वाली ब्रिक्स शिखर बैठक में भाग लेंगे और ब्रिक्स देशों के शासनाध्यक्षों और राष्ट्राध्यक्षों के साथ अलग से भी बातचीत करेंगे।

श्री मोदी घाना के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर यहां आए हैं और तीन जुलाई तक रहेंगे। नयी दिल्ली से रवाना होने से पहले उन्होंने घाना को दक्षिणी जगत में भारत का एक मूल्यवान भागीदार बताया और कहा है कि यह देश अफ्रीकी संघ और पश्चिमी अफ्रीकी देशों के आर्थिक समुदाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

5 देशों की यात्रा से दक्षिण के देशों से सहयोग-संबंध मजबूत होंगे-मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अफ्रीकी, कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिका के पांच देशों की यात्रा के लिए रवाना होने से पूर्व कहा कि उनकी इस यात्रा से दक्षिणी गोलार्ध के विकासशील देशों के साथ भारत के संबंधों को और बल मिलेगा।

श्री मोदी ने घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा की आठ दिन की यात्रा पर सुबह घाना के लिए प्रस्थान किया और वह नामीबिया होकर लौटेंगे। इस दौरान वह ब्राजील के रियो डी जनेरियों में होने जा रही ब्रिक्स शिखर बैठक में भाग लेंगे और ब्रिक्स देशों के शासनाध्यक्षों और राष्ट्राध्यक्षों के साथ अलग से भी बातचीत करेंगे।

राजधानी से प्रस्थान करने से पूर्व एक वक्तव्य में श्री मोदी ने कहा, 'आज मैं 02 से 09 जुलाई 2025 तक घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की पाँच देशों की यात्रा पर जा रहा हूँ।' उन्होंने कहा ,'मुझे विश्वास है कि पाँच देशों की मेरी इस यात्रा से वैश्विक दक्षिणी देशों के साथ हमारी मित्रता को और बल मिलेगा, अंध महासागर के दोनों किनारों पर हमारी साझेदारी मजबूत होगीऔर ब्रिक्स, अफ्रीकी संघ, इकोवास और कैरीकॉम जैसे बहुपक्षीय मंचों के साथ हमारा जुड़ाव गहरा होगा।' प्रधानमंत्री चार और पांच जुलाई को अर्जेंटीना में होंगे और वहां से ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील के रियो डि जेनेरियो जायेंगे और वहां पांच से सात जुलाई तक ब्रिक्स की बैठकों में हिस्सा लेंगे।श्री मोदी सात एवं आठ जुलाई को ब्राजील में राजधानी ब्राजीलिया की यात्रा पर होंगे और नौ जुलाई को नामिबिया पहुंचेंगे।

श्री मोदी की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जबकि विश्व में भू-राजनीतिक तनाव और अनिश्चितताएं बढ़ रही है, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई एक बड़ा मुद्दा है तथा अमेरिका की ओर से भारत और अन्य देशों के खिलाफ व्यापार पर ऊंचा प्रशुल्क

राजनीतिक दलों की चिंताओं का पूरा समाधान किया गया : आयोग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर मचे घमासान के बीच चुनाव आयोग ने बुधवार को विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों के साथ यहां आयोग के मुख्यालय पर बैठक की और कहा कि इन दलों के प्रतिनिधियों की ओर से व्यक्त चिंताओं का पूरा समाधान किया गया।

बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ सुखबीर सिंह संधू तथा डॉ. विवेक जोशी के साथ प्रदेश के कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने चुनाव आयोग में मुलाकात की।

चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का संचालन अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के प्रावधानों और 24.06.2025 को जारी निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। पार्टी प्रतिनिधियों ने एसआईआर से संबंधित कई चिंतायें उठायीं। राजनीतिक पार्टियों के किसी भी सदस्य द्वारा उठायी गयी प्रत्येक चिंता का आयोग द्वारा पूर्ण समाधान किया गया।

चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया में भाग लेने के लिए जमीनी शतर पर 1.5 लाख से अधिक बूथ शतरीय एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने के लिए सभी राजनीतिक दलों को धन्यवाद दिया है।

आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को एसआईआर प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया, ताकि कोई भी मतदाता

मतदान से वंचित न रह जाये।

गौरतलब हो कि बिहार विधानसभा चुनाव पहले इंडिया गठबंधन के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार शाम को चुनाव आयोग से मुलाकात की। नेताओं ने आयोग से मिलकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा उठाया।

आयोग के अनुसार आज चुनाव आयुक्तों से मुलाकात करने वाले कुछ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मिलने का समय दिया गया था जबकि अन्य को पूर्व में समय न दिये जाने के बावजूद प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने दिया गया।

आयोग ने सभी पक्षों के विचारों को सुनने के लिए प्रत्येक पक्ष के दो प्रतिनिधियों से मिलने का निर्णय लिया था। कांग्रेस तथा इंडिया समूह के 11 दलों के नेताओं ने बैठक में चुनाव आयोग से मुलाकात की और कहा कि जो काम कई महीने पहले शुरु हो जाना चाहिए था उसे आखिर किस वजह से आयोग ने चुनाव से महज दो तीन महीने पहले शुरू किया है।

अमित शाह ने एनसीबी और अन्य एजेंसियों को ग्लोबल ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करने पर बधाई दी

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो(एनसीबी) और अन्य एजेंसियों को ग्लोबल ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करने पर बधाई दी। श्री शाह ने कहा कि सरकार हर ड्रग गिरोह, चाहे वह कहीं से भी चल रहा हो, को खत्म करने और देश के युवाओं की रक्षा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

श्री शाह ने प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा " एनसीबी और अन्य एजेंसियों को ग्लोबल ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करने पर बधाई।" उन्होंने कहा कि जांच ने मल्टीएजेंसी समन्वय का एक शानदार उदाहरण पेश किया है जिसके परिणामस्वरूप आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया और 5 खेप जब्त की गयी। चार महाद्वीपों और 10 से अधिक देशों में संचालित गिरोह के खिलाफ अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में कार्रवाई हुई है।

हिमाचल के साथ भाजपा का सौतेला व्यवहार, केंद्र तत्काल मदद करे : खरगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हिमाचल प्रदेश में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के बाद बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है तथा केंद्र सरकार ने पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं कराई।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को हिमाचल प्रदेश में आपदा से संबंधित बकाया राशि तत्काल प्रभाव से जारी करनी चाहिए। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है तथा 34 लापता लोगों की तलाश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को राज्य में बादल फटने की 11 घटनाएं, अचानक बाढ़ आने की चार घटनाएं और एक बड़ा भूस्खलन हुआ। इनमें से अधिकतर घटनाएं मंडी जिले में हुईं। इन घटनाओं के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ।

खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश व भूस्खलन से जान-माल के नुक़सान की ख़बर बेहद पीड़ादायक है। सरकार और प्रशासन युद्ध स्तर पर राहत व बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''पीड़ितों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील है कि वे जनमानस को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएं। केंद्र सरकार से हमारी मांग है कि पिछले कुछ वर्षों से हिमाचल प्रदेश की जो आपदा संबंधी राशि बकाया है, उसे तत्काल प्रभाव से जारी किया जाए।''

खरगे ने दावा किया, ''इस वर्ष बारिश शुरू होने से पहले ही हिमाचल सरकार ने केंद्र से कुल 9,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की मांग की थी।

जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता :योगी

✷ एनसीआर टुडे. गोरखपुर ✷

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान करना उनकी सरकार की प्राथमिकता है।

योगी ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। ध्यान से सबकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निराकरण शीघ्रता और पारदर्शिता शीघ्रता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निश्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए।

गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की।

उन्होंने सबको आश्वश्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निश्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ति की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने उन्हें आश्वश्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हश्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

यूपी में बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण के खिलाफ नौ को देशव्यापी हड़ताल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उत्तर प्रदेश में दो बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण के खिलाफ देश भर में कार्यरत करीब 27 लाख बिजली कर्मचारी नौ जुलाई को हड़ताल करेंगे। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि. का निजीकरण करने का फैसला किया है।

ये वितरण कंपनियां राज्य के 75 में से 42 जिलों में बिजली आपूर्ति करती हैं। दुबे ने कहा, 'बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति (एनसीसीओईईई) के आह्वान पर, देश भर के बिजली कर्मचारियों, जूनियर इंजीनियरों और इंजीनियरों ने वितरण कंपनियों के निजीकरण के विरोध में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए हैं।' दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश की दो बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के निजीकरण के खिलाफ नौ जुलाई को 27 लाख बिजली कर्मचारियों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है।

इतने बड़े पैमाने पर कर्मचारियों के हड़ताल में शामिल होने से देश में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा, 'अगर हड़ताल की वजह से बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है तो हम उसके लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।' दुबे ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि. और सरकार के कुछ बड़े अधिकारी चुनिंदा निजी घरानों के साथ मिलीभगत कर रहे हैं। वे लाखों करोड़ रुपये की डिस्कॉम संपत्तियों को निजी घरानों को औने-पौने दामों पर बेचना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर डिस्कॉम का निजीकरण किया गया तो किसान और गरीब लोग कई लाभों से वंचित हो जाएंगे।

महिला को सांप ने डसा

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गांव मलकपुर में एक महिला को सांप ने डस लिया। महिला को सीएचसी में भर्ती कराया गया।जहां से बिजनौर रैफर कर दिया गया।

गांव मलकपुर निवासी 52 वर्षीय महिला संतेश को काम करने के दौरान सांप ने डस लिया।सांप के डसने पर हड़कंप मच गया। आनन फानन में संतेश को नहटौर सीएचसी में भर्ती कराया गया।प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया।

कार पेड़ से टकराई, चार घायल

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷

बुधवार को सुबह 7:30 बजे नूरपुर बिजनौर रोड पर एक वेगन-आर मारुति कार DL9CAW6171 जो कि बिजनौर की तरफ से आ रही थी।

ग्राम बिसाठ के सामने नर्सरी की साइड में खड़े पेड़ से टकरा गई। जिसमें सवार रहीस पुत्र कल्लु, मोहम्मद हयात पुत्र मुशर्रफ हुसैन निवासी नागलिया मास्कुला थाना मैनाठेर जनपद मुरादाबाद। आशिया पत्नी तहजीब निवासी चौधरी सराय थाना सम्भल एवं सोफिया पुत्री रफी निवासी ग्राम मूसेपुर थाना हयातनगर जनपद सम्भल घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया गया है।

कम छात्र संख्या वाले स्कूल समायोजन से पूर्व शिक्षक हुए भावुक

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

कम छात्र संख्या वाले स्कूलों के समायोजन से पूर्व विद्यालय में अंतिम दिन में शिक्षक भावुक हो गया। शिक्षकों ने अपने विद्यालय को निहारा ओर स्टॉफ शिक्षकों संग सेल्फी ली।

छात्र संख्या कम होने के कारण नहटौर (आकू) ब्लॉक में पहली सूची के अनुसार 9 विद्यालयों का समायोजन हुआ। जिसके उपरांत सोमवार को 26 विद्यालय में भी छात्र संख्या 30 से कम होने पर समायोजन की सूची जारी हुई। सोमवार को समायोजित हुए विद्यालयों में शिक्षण कार्य का अंतिम दिन था। मंगलवार से नये संबद्ध विद्यालय जाना होगा। विद्यालयों में शिक्षण कार्य में प्रतिभाग करना है। विद्यालय से विदाई से पूर्व शिक्षक विद्यालय भवन एवं उसकी बागवानी को निहारते नजर आये।

नये विद्यालय में जाने की खुशी कम पुराने विद्यालय को छोड़ने का दर्द उनके चेहरे पर भी झलक आया। कई विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा अपने हाथों से लगाई बागवानी के साथ सेल्फी ली। किसी ने सोशल मीडिया पर विद्यालय के साथ अंतिम फोटो कहकर शेयर किया। इस दौरान सभी शिक्षक भावुक नज़र आये। ब्लॉक के 35 स्कूल में आज मंगलवार को सन्नाटा छा गया जिन ग्रामीणों को समायोजित होने की जानकारी नहीं थी, वह विद्यालय के ताले न खुलने पर इसका कारण जानने के लिए उत्सुक रहें।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा कैंप का आयोजन किया गया

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा कैम्प का आयोजन ओर दर्जनों व्यापारियों के मंडी समिति के लाइसेंसो का नवीनीकरण कराया।

व्यापारियों के हित के लिये हर समय तैयार रहने वाले संगठन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की बढ़ापुर इकाई के नगर अध्यक्ष गुलज़ार मलिक के आवास पर कैम्प का आयोजन किया। कैंप में सहकारी समिति की औऱ से समिति कबनिरीक्षक शिव शंकर सिंह मौजूद रहे जिन्होंने नगर में किराना दुकानदार, चक्की, एक्सपेलर, सेलर इत्यादि जो भी व्यवसाय समिति के अधीन आतें है तथा जिनके लाइसेंस बने हुए हैं उनके लाइसेंसे का नवीनीकरण किया गया है।

शिव शंकर सिंह ने बताया कि शासन के आदेशानुसार जिन व्यापारियों के लाइसेंस बने हैं तथा उनके नवीनीकरण समय के करने के लिये केम्प का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर गुलज़ार मलिक के अतिरिक्त मोहम्मद इरफान, जमशेद, अंकुर अग्रवाल, आदि व्यापारी मौजूद रहे।

कावड़ यात्रा को लेकर एसपी ने यात्रा मार्ग, फूलसंदा आश्रम की व्यवस्थाओं की देखी

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

कांवड़ यात्रा मार्ग व फुलसंदा आश्रम में व्यवस्थाओं को लेकर एसपी बिजनौर एसडीएम और सीओ ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बुधवार को एसपी बिजनौर अभिषेक झा एसडीएम धामपुर रितु रानी सीओ धामपुर अभय कुमार पांडे नायब तहसीलदार विजय कुमार थाना अध्यक्ष धीरज नागर कानूनगो ओमवीर सिंह लेखपाल ब्रह्म सिंह रवि आदि ने नहटौर कोतवाली देहात व पैजनिया कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। कांवड़ यात्रा मार्ग पर ट्रैफिक की व्यवस्था की जानकारी ली। विभिन्न चौराहो को भी देखा गया। इसके अलावा उन्होंने फुलसंदा आश्रम में पहुंचकर लगने वाले शिविर आदि की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

भविष्य खतरे में, कोर्ट आंखें बंद नहीं कर सकता, राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा- अब और बर्दाश्त नहीं

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान हाईकोर्ट ने देश की भावी पीढ़ी के स्वास्थ्य को लेकर बड़ा सवाल उठाया है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने कुपोषण की समस्या पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए सख्त टिप्पणी की कि बच्चों और महिलाओं को पोषणयुक्त भोजन नहीं मिल पाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कोर्ट ने दो टूक कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और एफएसएसएआई कानून को ईमानदारी से लागू नहीं किया जा रहा, जिससे अस्वास्थ्यकर भोजन और मोटापा बढ़ रहा है। इससे बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक विकास बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

कोर्ट ने दो टूक कहा कि जब देश के बच्चों का स्वास्थ्य और भविष्य खतरे में हो, तो अदालत मूकदर्शक नहीं बन सकती। जस्टिस ढंड ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अधिकारी अपने कर्तव्यों के निर्वहन में विफल रहे हैं। वे न तो पौष्टिक भोजन सुनिश्चित कर पा रहे हैं और न ही जंक फूड और कोल्ड ड्रिंक्स की रोकथाम के लिए कदम उठा रहे हैं।

भूखे पेट भगवान भी याद नहीं आते

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में महात्मा गांधी के एक प्रसिद्ध कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि भूखे पेट भगवान को भी याद करना कठिन है। कोर्ट ने कहा कि भूख सिर्फ पेट नहीं जलाती, यह संस्कृति को भी नष्ट कर देती है। वैदिक ग्रंथों में भोजन को ईश्वरीय आशीर्वाद माना गया है, लेकिन आज के हालात इसे ठुकरा रहे हैं।

जंक फूड बच्चों की ग्रोथ रोक रहा: कोर्ट ने खासतौर से जंक फूड और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स (कोल्ड ड्रिंक्स) पर निशाना साधा। कहा कि ये खाद्य पदार्थ बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को बाधित कर रहे हैं। बच्चों और युवाओं को मौसमी और पारंपरिक खाद्य पदार्थों की ओर लौटाने की जरूरत है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि दादी-नानी की रसोई और घर के बने खाने को बढ़ावा दिया जाए, जिससे बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित हो सके।

सरकारें सोई हुई हैं, अधिकारियों ने आंखें मूंद ली हैं: हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को भी कठघरे में खड़ा किया। कहा कि जिनके कंधों पर बच्चों के भविष्य की जिम्मेदारी है, वही आंख मूंदे बैठे हैं। एफएसएसएआई और शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी है कि स्कूलों व शिक्षण संस्थानों में जंक फूड की बिक्री पर रोक लगाएं।

30 जुलाई तक दें जवाब: कोर्ट ने इस मामले में केंद्र और राज्य सरकारों के कई विभागों को नोटिस जारी किया है। गृह मंत्रालय, खाद्य मंत्रालय, महिला और बाल विकास मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, एफएसएसएआई के साथ-साथ राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव, एसीएस बाल विकास, एसीएस खाद्य, और एसीएस शिक्षा को 30 जुलाई तक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या यह न्यायिक हस्तक्षेप सरकारी व्यवस्था को जगा पाएगा या फिर कुपोषण की यह लड़ाई भी फाइलों में ही दम तोड़ देगी। अदालत के इस कदम ने निश्चित तौर पर देशभर में बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर एक नई बहस छेड़ दी है।

PLFS एवं ASUSE सर्वेक्षण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ भव्य शुभारंभ

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मंडलायुक्त संगीता सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को जिला ग्राम्य विकास संस्थान प्रशिक्षण स्थल, धनीपुर में पीएलएफएस एवं एएसयूएसई सर्वेक्षण के लिए ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, श्रीमती संगीता सिंह ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

यह प्रशिक्षण भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत श्रम बल की स्थिति, रोजगार एवं बेरोजगारी दर, श्रम शक्ति भागीदारी दर और असंगठित क्षेत्र के उपक्रमों के सकल मूल्य वर्धन के सटीक आकलन के उद्देश्य से आयोजित किया गया है, जिससे प्रदेश एवं केंद्र सरकार को नीतिगत निर्णयों में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

मंडलायुक्त ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पीएलएफएस और एएसयूएसई हमारे प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था की असली तस्वीर दिखाते हैं।

पीएलएफएस से हमें यह जानने में मदद मिलती है कि हमारे लोग रोजगार में कितनी संख्या में जुड़े हैं और बेरोजगारी की स्थिति क्या है। वहीं एएसयूएसई हमें असंगठित क्षेत्र के छोटे व्यापार, दुकानों और कारीगरों की वाश्तविक स्थिति का आंकलन करने का अवसर देता है।

आप सभी द्वारा जुटाया जाने वाला डेटा सरकार को सही नीतियां बनाने में मदद करेगा ताकि रोजगार के अवसर बढ़ें, लोगों की आय में वृद्धि हो और प्रदेश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ सके। उन्होंने सभी सर्वे करने वालों को कहा कि जब वह सर्वे के दौरान लोगों से सरल भाषा में बात करें, उनको लगना चाहिए कि आप उन्हीं के बीच के हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी का उद्देश्य उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाना है। यह तभी संभव है जब हमारे लोग रोजगार से जुड़े हों और असंगठित क्षेत्र मजबूत हो।

आयुक्त अलीगढ़ मण्डल अलीगढ़ ने सभी से अपील करते हुए कहा कि इस सर्वे कार्य में पूरा सहयोग करें ताकि हम सटीक जानकारी जुटाकर अपने प्रदेश और देश के विकास में योगदान दे सकें। इस प्रशिक्षण में चारों जिलों के अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी, सुपरवाइजर, जिला श्तर के अधिकारीगण एवं नामित मास्टर ट्रेनर, वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी विजय कुमार अग्रवाल डीएसटीओ ए के दीक्षित, डॉ0 रेखा मिश्रा, प्रदीप कुमार, संजीव वार्ष्णेय, चंद्रभान चौधरी, एडीएसटीओ रणधीर सिंह, राजवीर सिंह, दिलजीत सिंह, सिराज अहमद, मानक चन्द, मसरूर अहमद उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण की विश्तृत रूपरेखा, सर्वेक्षण के लिए निर्दिष्ट एसओपी के विभिन्न पहलुओं, सीएपीआई सॉफ्टवेयर के प्रयोग एवं डेटा संग्रहण की प्रक्रियाओं पर गहन चर्चा की गई। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को पीएलएफएस एवं एएसयूएसई के क्षेत्रीय सर्वेक्षण संचालन में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट बनीं मां, दिल्ली में दिया बेटे को जन्म

चंडीगढ़, एजेंसी।
मशहूर रेसलर और हरियाणा के जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट मां बन गई हैं। आज सुबह करीब 9 बजे उन्होंने दिल्ली के अपोलो अस्पताल में बेटे को जन्म दिया। विनेश के ससुर राजपाल राठी ने बताया कि ऑपरेशन के जरिए डिलीवरी हुई है। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। विनेश को सोमवार शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 6 मार्च 2025 को विनेश फोगाट ने अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर उन्होंने पति सोमवीर राठी के साथ एक फोटो शेयर करते हुए इस बारे में बताया था।

उनके पति सोमवीर भी कुश्ती खिलाड़ी हैं और दो बार नेशनल चैंपियन रह चुके हैं। साल 2018 में जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में विनेश ने गोल्ड मेडल जीता था। जब वह भारत लौटी तो दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर सोमवीर राठी ने उन्हें प्रपोज कर दिया और अंगूठी पहना दी।

दोनों ने 14 दिसंबर 2018 को शादी की थी।हिंदू रीति-रिवाज से देखें तो शादी में 7 फेरे लिए जाते हैं, लेकिन विनेश और सोमवीर ने 8 फेरे लिए थे। आठवां फेरा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, बेटी खिलाओ की शपथ पर लिया था। विनेश फोगाट मूल रूप से चरखी दादरी के गांव बलाली की रहने वाली हैं और उनके पति जींद जिले के जुलाना क्षेत्र के बख्ता खेड़ा का रहने वाले हैं।

इस खुशखबरी के सामने आते ही परिवार, राजनीतिक जगत और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। परिवार समेत हरियाणा कांग्रेस में जश्न का माहौल है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद कुमारी सैलजा ने विनेश को इस नए जीवन अध्याय के लिए शुभकामनाएं दी हैं। पार्टी नेताओं और समर्थकों की ओर से भी शुभकामनाएं दी जा रही हैं। विनेश फोगाट ने 2024 में पेरिस ओलिंपिक में भाग लिया था। महज 100 ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया। विनेश फोगाट ने 8 अगस्त को कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया। इसके बाद विनेश ने कांग्रेस जॉइन कर ली।

युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना टप्पल इलाके में ससुराल आये गाजियाबाद के एक युवक की मंगलवार देर रात्रि संदिग्ध हालत में मौत हो गई। पिता ने हत्या का आरोप पत्नी व ससुरालियों पर लगाया है। पिता का कहना है।

पहनी हुई शर्ट से फांसी लगा लेना असम्भव है। उनके बेटे की हत्या की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए पोस्टमार्टम गृह के लिए भेज दिया।

जनपद गाजियाबाद के नगला फिरोज मोहन नगर के रहने वाले श्याम कुमार ने बताया कि उनका ड्राइवर की नौकरी करता था। उसकी शादी कुछ साल अलीगढ़ के थाना टप्पल इलाके के गांव ऊसरह की रहने वाली रेखा से हुई थी। दम्पत्ति पर दो बच्चे हैं।

श्याम कुमार ने बताया कि उनका बेटा करीब 7 दिन पहले पत्नी और अपने दो बच्चों के साथ ससुराल गया था। लेकिन वापस घर नहीं लौटा। मंगलवार देर रात्रि उसके ससुराल से जानकारी मिली कि बेटे ने फांसी लगा ली है।

इसके बाद वह बेटे की ससुराल आये। लेकिन जब तक ससुराल पक्ष के लोग भाग चुके थे। उनका कहना है कि बेटा फांसी नहीं लगा सकता। ससुराल पक्ष से पहले से विवाद चला आ रहा था। इसलिए उसकी साजिश के तहत हत्या की है।

इस मामले में उन्होंने सुमित की पत्नी व अन्य ससुरालियों के खिलाफ टप्पल थाने में तहरीर दे दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि थाना पुलिस मामले में आरोपियों के कार्यवाही नहीं कर रही। सुमित की मौत से परिजन बेहाल हैं।

ट्रैक्टर से टकराई बाइक, एक की मौत, दूसरा घायल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना टप्पल क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यमुना नदी में अस्थि विसर्जन कर लौट रहे दो युवकों की बाइक ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया।

घटना गांव शाहनगर सोरोला निवासी मूलचंद शर्मा उर्फ मूला और उनके साथी चंद्रवीर सिंह के साथ हुई। दोनों मूलचंद के पिता की अस्थियां विसर्जित करने यमुना नदी गए थे। वापसी के दौरान टप्पल क्षेत्र के पीपली गांव के पास उनकी बाइक ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में चंद्रवीर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई व मूलचंद शर्मा घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने टप्पल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल मूलचंद को अस्पताल में भर्ती कराया। तो वहीं पुलिस ने मृतक चंद्रवीर के शव को कब्जे मे लेकर अंत्य परीक्षण के लिए पोस्टमार्टम गृह के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

विधानसभा के पोडियम पर चढ़ गए नाना पटोले, स्पीकर ने ले लिया ऐक्शन, सस्पेंड

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में कांग्रेस विधायक नाना पटोले को विधानसभा अध्यक्ष के पोडियम चढ़ने को लेकर मंगलवार को विधानसभा से दिनभर के लिए निलंबित कर दिया गया है। प्रश्नकाल के तुरंत बाद पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पटोले ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक बबनराव लोनीकर और कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे पर किसानों का अपमान करने का आरोप लगाया और दोनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

वह विधानसभा अध्यक्ष के आसन के समीप पहुंच गए और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से बहस करते देखे गए। इसके बाद सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही पुनः शुरू होने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पटोले की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस नेता विधानसभा अध्यक्ष की ओर आक्रामक तरीके से बढ़े थे, जो सही नहीं है और उनसे ऐसी उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा कि पटोले को माफी मांगनी चाहिए। हालांकि, पटोले फिर से विधानसभा अध्यक्ष के आसन के समीप चढ़ गए तथा लोनिकर और कोकाटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने घोषणा की कि वह पटोले को पूरे दिन के लिए सदन से निलंबित कर रहे हैं।

लोनिकर ने हाल में जालना जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र परतुर में किसानों की एक सभा में कहा था कि 'जो लोग उनकी पार्टी और सरकार की आलोचना करते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि उन्हें कपड़े, जूते, मोबाइल, योजनाओं का मौद्रिक लाभ और बुवाई के लिए पैसे हमारी वजह से मिल रहे हैं। कोकाटे ने दावा किया था कि किसानों ने कर्ज माफी के पैसे शादियों पर खर्च कर दिए। कृषि मंत्री ने कहा कि एक रुपया तो भिखारी भी नहीं लेता, लेकिन सरकार उतनी राशि में फसल बीमा दे रही है, जिसका कुछ लोग दुरुपयोग कर रहे हैं।

पटोले ने संवाददाताओं से कहा, आज किसान दिवस है। अहंकारी मोदी सरकार और उसके मंत्री किसानों के साथ भिखारियों जैसा व्यवहार करते हैं। किसानों के लिए बोलने वालों को सदन से बाहर निकाल दिया जाता है, जबकि उनका अपमान करने वालों को सम्मानित किया जाता है। बेमौसम बारिश के कारण किसान परेशान हैं।

बच्चे का अपहरण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

इगलास में एक पिता ने स्कूल वैन से अपने 6 वर्षीय बेटे का अपहरण कर

लिया। घटना तब हुई जब बच्चा विष्णुदत्त शर्मा इंटर कॉलेज जा रहा था।

आरोपी पिता राहुल और उसके परिजन दो कारों में आए। उन्होंने स्कूल वैन को रोका और ड्राइवर को तमंचा दिखाकर बच्चे निकुंज को ले गए। वैन में निकुंज के साथ उसकी 17 वर्षीय चचेरी बहन रिया भी मौजूद थी।

बच्चे की मां ज्योति ने कोतवाली इगलास में शिकायत दर्ज कराई है। ज्योति अपने पिता अमीरचंद के घर चंद्रफरी गांव में रह रही हैं। उनके पति राहुल फरीदाबाद के रहने वाले हैं।

दोनों के बीच कोर्ट में दहेज और घरेलू हिंसा का केस चल रहा है। ज्योति पिछले एक साल से अपने मायके में रह रही हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों ने पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

शटरिंग के दौरान मकान मालिक को करंट लगा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना रोरावर इलाके में काम करते समय करंट लगने से मकान स्वामी झुलस गया। परिजनों ने जवाहरलाल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। जहाँ उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

शहर के गोंडा रोड़ स्थित नीबरी के पास आले हसन परिवार के साथ रहते हैं। मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं।

शाहजमाल गली नंबर 13, कयूम नगर के रहने वाले रिश्ते के भाई लियाकत अली ने बताया कि आले हसन का मकान बन रहा है। उसमें मजदूर काम कर रहे थे। उनके साथ आले हसन भी हाथ बटा रहे थे।

इसी बीच शटरिंग का काम चालू था। तभी उनको बिजली का करंट लग गया। करंट लगने से उनके पैर की स्किन बुरी तरह से जल गई है। साथ ही सिर में गंभीर चोट आई है।

उनकी चीख पुकार सुनकर मजदूर एकत्र हो गए। परिजन भी आ गए। बिजली लाइन काटकर उनको इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहाँ से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देने के साथ जेएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

जिला अस्पताल के डॉक्टर फारूक अंसारी के अनुसार मरीज को परिवार के सदस्य लेकर आये थे। उनकी हालत गम्भीर थी। इसकी सूचना सम्बन्धित थाना पुलिस को भेज दी है। उधर, मरीज का मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी है। हादसे के बाद परिजन बहुत परेशान हैं।

विजय के बहाने उद्धव और राज ठाकरे का एकता जुलूस, 20 साल बाद आए साथ

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र की सियासत में एक ऐतिहासिक पल देखने को मिल सकता है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने 20 साल बाद एक साथ मंच साझा करने का फैसला किया है। यह एकता मराठी भाषा और अस्मिता की रक्षा के लिए शुरू हुए आंदोलन की जीत का उत्सव मनाने के लिए है।

महाराष्ट्र सरकार के स्कूलों में तीन-भाषा नीति संबंधी आदेश वापस लेने के बाद शिवसेना सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि वे पांच जुलाई को ''मराठी विजय दिवस'' के रूप में मनाने के लिए एक रैली आयोजित करेंगे। इस संबंध में राज ठाकरे और उद्धव ने संयुक्त बयान जारी कर मराठी जनता से 5 जुलाई को मुंबई के एनएससीआई डोम, वर्ली में आयोजित होने वाले विजय जुलूस में शामिल होने की अपील की है। उद्धव और राज ठाकरे ने अपने संयुक्त बयान में कहा, आवाज मराठीचा! मराठी माताओं, भाइयों और बहनों, सरकार मराठी जनता की ताकत के सामने झुक गई है। हम सिर्फ आपके लिए यह लड़ाई लड़ रहे थे। हम केवल आयोजक हैं, आप सब आकर इस जुलूस में शामिल हों।

राउत ने मराठी भाषी छात्रों पर हिंदी ''जबरन थोपने'' के लिए भाजपा की आलोचना करते हुए कहा, ''उन्हें सरकारी आदेश लाने दीजिए और अगर ऐसा कोई आदेश है तो उसे जलाने दीजिए।'' उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ''हमने भाजपा सरकार के उस प्रस्ताव का विरोध किया है जिसमें अप्रत्यक्ष रूप से पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने की बात कही गई है। अब वे सत्ता में हैं, हम नहीं। अगर वे ऐसा कोई सरकारी आदेश पेश करते हैं तो हम उन्हें (उसे जलाने के लिए) जगह देंगे।'' राज्यसभा सदस्य ने यह भी कहा कि मुंबई में पांच जुलाई की रैली को मराठी भाषी आबादी की ताकत और गौरव को दर्शाने के लिए ''मराठी विजय दिवस'' के रूप में मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा, ''रैली में हिंदी थोपे जाने के खिलाफ मराठी लोगों की ताकत का प्रदर्शन किया जाएगा। हमने दिल्ली को दिखा दिया है कि 'टाइगर अभी जिंदा है।''' उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे दोनों इस रैली में भाग लेंगे। राउत ने कहा, ''ठाकरे भाइयों के एक साथ आने को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। हमने अन्य राजनीतिक दलों और लोगों को भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।''

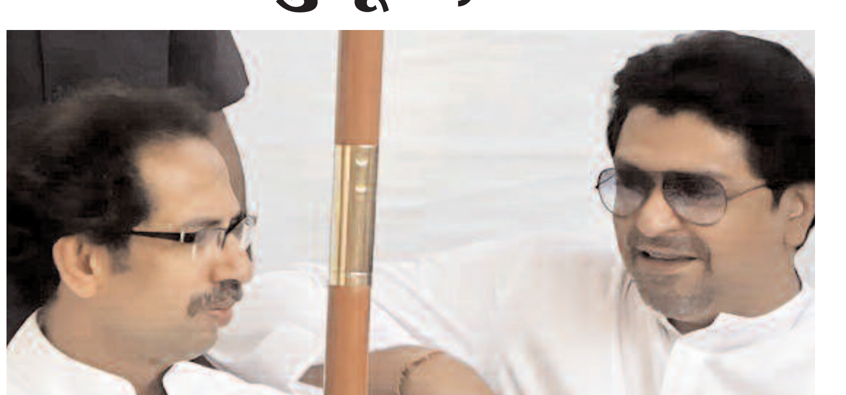

हमें पाप पर प्रहार करना सिखाया, पापी पर नहीं: शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की विरासत का हवाला देते हुए राउत ने कहा, ''बालासाहेब ने हमें पाप पर प्रहार करना सिखाया, पापी पर नहीं। यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं बल्कि महाराष्ट्र विरोधी नीतियों के खिलाफ है।'' भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ''हर बार जब वे मराठी लोगों को दबाने की कोशिश करते हैं, तो हम और भी अधिक ताकत के साथ जवाब देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और देवेंद्र फडणवीस को यह पता होना चाहिए कि महाराष्ट्र चुप नहीं बैठेगा।''

इस बीच, कांग्रेस के राज्य में स्वतंत्र रूप से आगामी नगर निगम चुनाव लड़ने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा कि वह एक राष्ट्रीय दल है और उसके पास स्वतंत्र रूप से स्थानीय चुनाव लड़ने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) वाला एमवीए गठबंधन मुख्य रूप से लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए किया गया था।

किशोरी को अगवा कर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। कविनगर क्षेत्र में किशोरी को अगवा कर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। किशोरी के पिता ने 29 जून को कविनगर थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, किशोरी के पिता ने थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में बताया कि वह ई-रिक्शा चलाकर परिवार का पोषण करते हैं। आरोप है कि मोहल्ले में ही रहने वाले अर्जुन नाम का युवक उनकी बेटी को परेशान कर रहा है। 23 जून को आरोपी बेटी को अगवा कर पार्क में ले गया। जहां उसने बेटी पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया। बेटी के विरोध करने पर उसने धमकी दी। 24 जून को बेटी ने मां को घटना के बारे में बताया। फिर उन्होंने अर्जुन से बात की तो उसने उनके साथ गाली-गलौज की और हत्या की धमकी दी।

नाबालिग के साथ छेड़छाड़ का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मधुबन बापूधाम क्षेत्र में सौतेले पिता पर नाबालिग बेटी के साथ अश्लील हरकतें करने का आरोप लगा है। मामले में पीड़िता की मां ने मधुबन बापूधाम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस जांच कर रही। मधुबन बापूधाम थाना पुलिस के अनुसार, किशोरी की मां ने शिकायत में बताया कि वर्ष 2015 में उन्होंने आरोपी से दूसरी शादी की थी। कुछ समय तक सब सही चलता रहा, लेकिन जब पति से कोर्ट में शादी के लिए बोला तो वह मारपीट करने लगा। आरोप है कि उसने उनकी 14 साल की बेटी के साथ भी अश्लील हरकत की। विरोध पर बेटी के साथ मारपीट भी की।

महिला की मौत के मामले में 5 पर FIR

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के भोजपुर थानाक्षेत्र के गांव दतैड़ी में एक सप्ताह पूर्व हुई महिला की मौत के मामले में पति सहित पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिला गौतमबुद्ध नगर के गांव जारचा निवासी मानसिंह की बहन आरती की शादी नौ साल पहले गांव दतैड़ी निवासी राहुल कुमार से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने लगा था। इसके चलते 25 जून को आरती ने आत्महत्या कर ली थी। सीओ मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि राहुल, बसंता, बसंती, कुसुम व राधा पर केस दर्ज किया गया है। जिसकी भूमिका सामने आएगी, उसकी गिरफ्तारी होगी।

दस बदमाशों पर गुंडा ऐक्ट की कार्रवाई

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। डीसीपी नगर ने दस बदमाशों पर गुंडा ऐक्ट के तहत कार्रवाई की है। पूर्व में भी पुलिस लगातार बदमाशों पर निरोधात्मक कार्रवाई करती रही है। डीसीपी नगर धवल जायसवाल ने बताया कि विजयनगर के हिमांशु, इस्माइल, बबलू, विकास, मधुबन-बापूधाम के अंकित, कविनगर के सलमान, नगर कोतवाली के अनिकेत सिंह, साजिद, सिहानीगेट के विशाल उर्फ पाली और वरुण कश्यप पर कार्रवाई की गई है।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। कौशांबी थानाक्षेत्र में एनएच-नौ पर बेकाबू कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसा 30 की जून की सुबह को हुआ, जिसकी मयूर विहार फेज तीन में रहने वाले विकास ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। विकास ने बताया कि वह अपनी बाइक से नोएडा सेक्टर 62 जा रहे थे। यूपी गेट पार करते ही तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मारी और चालक फरार हो गया। राहगीर ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। उनके सिर, दोनों हाथ व कमर में गंभीर चोट आई है। पुलिस कार चालक को तलाश रही है।

स्कूल से तीन आईफोन चुराए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। कौशांबी थानाक्षेत्र स्थित स्कूल में सम्मान समारोह के दौरान तीन लोगों के आईफोन चोरी हो गए। बाद में सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो मास्क लगाए एक संदिग्ध व्यक्ति चोरी करते हुए दिखा। 30 जून की घटना में पुलिस ने मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज की है। वैशाली स्थित सन वैली इंटरनेशनल स्कूल में 30 जून तो दोपहर बाद तीन बजे एक सम्मान समारोह शुरू हुआ। स्कूल में कार्यरत अमिताभ अग्रवाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि प्रीति सिंह, दयानिधि जे और मीना के आईफोन समारोह के दौरान चोरी हो गए। उनके बताने पर कैमरे चेक किए। इनमें एक व्यक्ति चोरी करते दिख रहा है, जिसने मास्क पहना हुआ है। इस कारण चेहरा नहीं स्पष्ट हुआ। रजिस्टर में एंट्री भी चेक की जा रही है। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस फुटेज से चोर की पहचान के प्रयास कर रही है।

सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार घायल

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिन्हें सीएचसी अफजलगढ़ भर्ती कराया गया जहां स्कूटी चालक को गंभीर अवस्था में हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राज पुत्र जगदीश प्रसाद ज्वालापुर हरिद्वार उत्तराखंड व तौषार पुत्र अशोक कुमार निवासी बालथान थाना बरेली कैंची धाम नैनीताल से घूमकर वापस हरिद्वार वापस लौट रहे थे। बुधवार शाम भवानीपुर उर्फ जिक्रवाला नेशनल हाईवे 734 फोर लाइन किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार दोनों व्यक्ति स्कूटी से अनियंत्रित होकर गिर जाने के कारण घायल हो गए। जिसमें तौषार की गम्भीर अवस्था देखते हुए चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।

सड़क किनारे मिला मंदबुद्धि व्यक्ति का शव, पुलिस ने पोसटमार्टम को भेजा

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

कोतवाली देहात मार्ग पर गांव दरबारपुर के पास सड़क किनारे एक 45 वर्षीय अज्ञात मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति का शव मिलने पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बुधवार को कोतवाली देहात मार्ग पर गांव दरबारपुर के पास सड़क किनारे एक शव पड़ा होने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक 45 वर्षीय मृतक अज्ञात व्यक्ति मानसिक विक्षिप्त बताया जा रहा है। वह क्षेत्र में घूमता फिरता रहता था। उसके शरीर पर जाहिरा कोई चोट का निशान नही मिला है। उसका फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर पहचान की कोशिश की जा रही है।

स्कूलों के विलय को लेकर आप का विरोध - प्रदर्शन

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

आम आदमी पार्टी ने प्रदेश सरकार की ओर से बदहाल और कम संख्या वाले सरकारी स्कूलों को दूसरे स्कूल में विलय करने के विरोध में जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरकार स्कूल विलय करने के बजाय उनमें व्यवस्था दुरुश्त कराए।

आप जिलाध्यक्ष निमित यादव नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पहुंचे। निमित यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार बदहाल स्कूल व्यवस्था के चलते गरीब, शोषित वंचित लोगों के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता आज सरकारी की इस मंशा का विरोध करते हैं। जिला महासचिव शैलेश कुमार ने कहा कि सरकार की मंशा पूरे प्रदेश में 27 हजार सरकारी स्कूलों को दूसरे स्कूलों में विलय करने की योजना है। इनके विलय होने से यहां पढ़ रहे बच्चों को दूर जाना होगा। सरकारी स्कूल कम होने से निजी स्कूलों को बढ़ावा मिलेगा।

आप कार्यकर्ता इस स्कूल कम करने की योजना का विरोध करते हैं। उनकी मांग है कि स्कूल कम करने के बजाय उनमें बेहतर व्यवस्था करें। ताकि वहां बच्चे पढ़ने आ सके। आप प्रदेश प्रवक्ता तरुणिमा श्रीवाश्तव ने आरोप लगाया कि विगत वर्षों में इतने सरकारी स्कूल नहीं खुले जितनी गांव-गांव में मधुशाला खोल दी गई। आम आदमी पार्टी गांव के युवाओं का भविष्य बर्बाद नहीं होने देगी।

ज्ञापन देने वालों में जतिन शर्मा, एसपी शिशोदिया, संजय सिंह, रविश सिसोदिया, सतीश गहलोत, शरदेंदु शर्मा,शिल्पी सचान, मुकेश प्रजापति, अनुज शर्मा, रवि त्रिपाठी, प्रेमपाल, कुशल गोयत, राकेश यादव, स्वतंत्र यादव, पुष्प लता, सतीश गौतम, डॉ. आदित्य सिंह, मयंक जैन, रवि नंबरदार, रोहित यादव, सुमित देशबंधु, राहुल भारती, सोनू मिश्रा, अशोक तोमर, लोकेश प्रजापति, सुल्तान करीम, पिंटू कुमार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ट्रक ने स्कूटी सवार दो युवकों को मारी टक्कर, एक गंभीर

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के मंडोला रोड पर 23 जून की शाम स्कूटी पर जा रहे दो युवकों को तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी।

ट्रक का पहिया युवक के ऊपर चढ़ने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पीड़त के भाई की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की है। दिल्ली भजनपुरा में दीपू रहते है।

उन्होंने बताया कि उनका छोटा भाई लोकेश अपने दोश्त फैजान के साथ स्कूटी पर दिल्ली से ट्रोनिका सिटी जा रहा था। जब दोनों मंडोला रोड पर पहुंचे तो पीछे से तेज गति में आ रहे ट्रक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। जिससे दोनों स्कूटी समेत रोड पर गिर गये।

टक्कर लगने के बाद ट्रक का पहिया भाई के ऊपर से उतर गया। जिससे भाई की कमर के नीचे का हिस्सा क्षतिग्रश्त हो गया। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर घायल को उपचार के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया।

स्थिति गंभीर होने के चलते परिजनों ने उसे दिल्ली के लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों ने मामले की शिकायत ट्रोनिका सिटी पुलिस को दो दिन पहले देकर चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ति के परिजन पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। ट्रक को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश की जा रही है।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोग घायल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कविनगर और वेव सिटी थानाक्षेत्र में हुए अलग अलग सड़क हादसों मे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

इन मामलों में दोनों पीड़ितों ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। कविनगर क्षेत्र में डायमंड फ्लाईओवर के पास सब्जी लेने जा रहे हरेराम के तेज रफ्तार कार की टक्कर लग गई।

इस मामले में पीड़ित की पत्नी दुर्गा देवी ने कविनगर थाने में कार चालक विनीत शर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने शिकायत देकर बताया है कि पांच अप्रैल को उनके पति सब्जी लेने जा रहे थे। राश्ते में तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगे के बाद पति सड़क पर गिर गए।

आसपास के लोगों ने कार चालक से कहकर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। आरोप है कि कार चालक विनीत पति को अस्पताल में छोड़कर भाग गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने पैरों में गंभीर चोट होने के चलते ऑपरेशन बताया जिसका काफी खर्च बताया। इसके बाद उन्होंने एमएमजी अस्पताल में उपचार कराया है। अभी भी उपचार चल रहा है। सीओ कविनगर भास्कर वर्मा का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

ट्रैक्टर ने बाइक सवार को टक्कर मारी वेव सिटी क्षेत्र में एक जुलाई को ट्रैक्टर की टक्कर लगने से बाइक सवार कृष्णा शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित घर से नौकरी पर जा रहे थे। एनएच नौ पर डासना के पास हुए हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। इस मामले में धौलाना के कचौला निवासी कृष्णा के पिता दयानंद शर्मा ने वेव सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है।

कालागढ़ में आबादी के करीब बाघ की दस्तक, लोग भयभीत

✷ एनसीआर टुडे. कालागढ़ ✷

जनपद बिजनौर के कालागढ़ में पिछले काफी समय से एक बाघ देखा जा रहा। पुराना कालागढ़ में सुखा सोत पुल के नीचे से बाघ को जाते हुए देखा गया। मंगलवार की रात को लगभग 11 बजे के आस पास बाघ के गुर्राने के आवाज सुनाई दी।

बाघ की आवाज सुन स्थानीय नागरिक टार्च से प्रकाश डाला। उस वक्त बाघ सुखा सोत में खड़ा हुआ था। रोशनी पड़ता देख बाघ नयी बश्ती की तरफ चला गया। यह पहला मौका नहीं जब बाघ को ऐसे देखा गया।

पिछले काफी समय से बाघ की गुजर इधर से हो रही है। स्थानीय नागरिक आरिफ अंसारी, शहवाज, जावेद आदि लोगों ने कालागढ़ के आस पास अलग अलग जगहों पर कई बार देखा है।

गौरतलब है कि दो माह पहले एक मानव की खोपड़ी झाड़ियों के बीच मिली थी। जिसके बाद से कालागढ़ वन विभाग ने पुराना कालागढ़ से न्यू कालोनी को जाने वाले एक मार्ग को बंद कर दिया था।

अब वो राश्ता एक तरह से बाघ के लिए कारिडोर सा बन गया है। जहां पर शाम होते ही वन्य जीव हिरण सांभर आदि जंगली जीव खुले में आकर खड़े हो जाते हैं। जिनके पीछे अक्सर बाघ वहां आ धमकता है। बाघ के आबादी के निकट लगातार विचरण करने से भय का माहौल बना रहता है। वन विभाग से उक्त मार्ग को खोलने के लिए आग्रह किया जा चुका है।

उक्त मार्ग को खोलने के लिए कालागढ़ निवासी कालागढ़ रेंजर से मुलाकात भी कर चुके हैं हालांकि रेंजर मार्ग को जल्द खोलने का आश्वासन दिया था। एक महीने से ज्यादा समय बीत गया पर अभी तक उक्त मार्ग नहीं खोला गया। शालू अग्रवाल, सलमान सैफी, फय्याज अंसारी, हाजी रहीश, शमशुद्दीन, शानू आदि लोगों का कहना है कि सड़क पर वाहन आते जाते रहते थे। वाहनों के आने जाने की आवाज से जानवर दूर रहते थे पर अब आबादी के करीब ही विचरण कर रहे हैं।

युवती की मौत, डॉक्टर बोले- मैं तो पोस्टमार्टम करने गया था

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

बिजनौर के मेडिकल अस्पताल में एक बार फिर लापरवही सामने देखने को मिलीं है फिर इलाज के नाम पर गरीब महिला ने दम तोड़ दिया। इमरजेंसी में तैनात डाक्टर रात में पोस्टमार्टम करने चले गए। डाक्टर के नहीं मिलने से इलाज नहीं हो सका।

बिजनौर के झालू निवासी काजल उम्र 22 वर्ष पत्नी मोनू को सांस लेने में परेशानी हो रही थी। जिसके चलते परिजन उसे रात करीब नौ बजे के बाद बिजनौर मेडिकल अस्पताल की इमरजेंसी लेकर आए। लेकिन, यहां डाक्टर नहीं थे। इमरजेंसी में रात ईएमओ डॉ. रामकुमार की ड्यूटी थी।

वह इमरजेंसी छोड़कर पोस्टमार्टम करने चले गए थे। इस दौरान उनकी वह एमरजेंसी में मौजूद नहीं थे उनकी गैरमौजूदगी में फार्मेसिस्ट ने ही कुछ उपचार देने की कोशिश की। लेकिन, काजल को बचाया नहीं जा सका।

इस घटना के बाद लोगों के मन में सवाल है कि जिला मेडिकल अस्पताल अधिकारी जिंदा लोगों से ज्यादा मरने वाले लोगो का ख्याल रख रहे है या उन्हें किसी बड़ी घटना का इंतजार रहता है। लोगों का यह भी कहना है कि अगर ऐसा है तो फिल जिला अस्पमाल अधिकारियों के नही भगवान के भरोसे चल रहा है।

अभिनेत्री ने वीडियो जारी कर बताया जान को खतरा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

फिल्म और शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न करने के मामले हरियाणवी अभिनेत्री ने वीडियो जारी कर अपनी जान को खतरा बताया है।

अभिनेत्री ने हरियाणी नामी अभिनेता एवं प्रोड्यूसर के खिलाफ थाना शालीमार गार्डन में शिकायत दी थी। पीड़िता ने पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है। नोएडा में रहने वाली हरियाणवी अभिनेत्री ने अभिनेता के साथ एक गाना किया था।

शिकायतकर्ता के मुताबिक करीब पांच साल पहले वह अभिनेता से मिली थी। अभिनेता ने उन्हें एक फिल्म में लीड रोल दिलाने की बात कही थी। इसको लेकर वह अक्सर मिलने के लिए बुलाते थे।

अगश्त 2022 में अभिनेता ने शालीमार गार्डन स्थित अपने कार्यालय में बुलाकर दोश्ती करने की बात कही।

इसके बाद शादी करने की भी बात कही। अभिनेता ने झांसा देकर उनका यौन उत्पीड़न किया। आरोप है कि न तो उन्हें फिल्म दिलाई और न ही आरोपी ने शादी की। अभिनेत्री ने एक वीडियो जारी किया है।

उनका कहना है कि पुलिस में शिकायत करते ही उन्हें समझौते के लिए फोन आ रहे हैं। समझौता न करने पर धमकी दी जा रही है। पीड़िता वीडियो में कह रही हैं कि उनकी जान को खतरा है और अगर उन्हें कुछ होता है तो अभिनेता ही इसके जिम्मेदार होंगे।

सीओ शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता के बयान दर्ज कर लिए हैं।

उन्होंने कुछ साक्ष्य भी दिए हैं। अभिनेता को बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया है। जांच पूरी आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे लाइन पर बनाई जा रही वीडियो रील ना कानून का डर ना जान का खतरा हो सकती है बड़ी दुर्घटना

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी हुआ जिसमेंकुछ युवक रेलवे लाइन पर खड़े होकर रील बना रहे हैं।

सोशल मीडिया पर अपलोड करके पैसा कमाने के लालच में यह सब लोग वीडियो बनाने के मश्त हैं। ना इनको अपनी जान की परवाह और ना ही दूसरों की जान की परवाह न ही कानून का डर। सुत्रो के अनुसार यह वीडियो कल्याणपुर के रेलवे फाटक के पास का है। कानून के अनुसार रेल की पटरी पर वीडियो बनाना या रील बनाना एक दंडनीय अपराध है। जिसके लिए जुर्माना या जेल दोनों हो सकते हैं। रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 145 और 147 के अनुसार, रेलवे ट्रैक या प्लेटफॉर्म पर बिना अनुमति के फोटो या वीडियो बनाना गैरकानूनी है। ऐसा करने पर 1000 रुपये का जुर्माना या 6 महीने तक की जेल हो सकती है। सुरक्षा का खतरा

रेलवे ट्रैक पर वीडियो बनाने से न केवल बनाने वाले की जान को खतरा है। बल्कि इससे ट्रेनें भी खतरे में पड़ सकती हैं। कानूनी कार्यवाहीं रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ऐसे मामलों में मुकदमा दर्ज कर सकता है। कानूनी कार्यवाही कर सकता है।

रेलवे संपत्ति को नुकसान:
रेलवे ट्रैक और प्लेटफॉर्म रेलवे की संपत्ति है, और इन पर किसी भी तरह की छेड़छाड़ करना अपराध है।

जुर्माना और जेल:
यदि आप रेलवे ट्रैक या प्लेटफॉर्म पर वीडियो बनाते पकड़े जाते हैं, तो आपको 1000 रुपये का जुर्माना या 6 महीने तक की जेल हो सकती है।

जागरूकता अभियान:
रेलवे प्रशासन लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। ताकि वे इस तरह की गतिविधियों से बचें।
देखना यह है कि रेलवे ट्रैक पर वीडियो रील बनाने वालों पर कार्रवाई होगी या नहीं।

ब्लॉक के डबाकरा हाल में मक्का विकास कार्यक्रम पर गोष्ठी आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

विकासखंड नहटौर के डबाकरा हाल में कृषि विभाग के सौजन्य से बुधवार को त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मक्का की खेती से लाभ प्राप्त करके अपनी आय बढ़ाने के बारे में जानकारी दी गई।

विकासखंड के डबाकरा हाल में आयोजित कृषि गोष्ठी में एडीओ कृषि रक्षा राजू सिंह ने मक्का की खेती और संचारी रोग की रोकथाम के विषय में विश्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह से किसान मक्का के खेती से लाभ प्राप्त करके अपनी आय बढ़ा सकते है। पूर्व सहायक विकास अधिकारी कृषि रक्षा सत्यप्रकाश ने किसानों को बताया कि कैसे फसलों को रोगों और कीटो से बचाया जा सकता है। सहायक विकास अधिकारी कृषि अमोल तोमर ने कृषि यंत्रीकरण और पीएम कुसुम योजना के विषय में बताया। विकासखंड नहटौर के प्रगतिशील कृषक विजयपाल सिंह ने श्री अन्न की महत्ता के विषय में बताते हुए किसानों को श्री अन्न उगने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रदीप, जयशरण, परवेन्द्र, पुनीश कुमार,कमल आदि के साथ सागर सिंह, नरेश कुमार, नरेंद्र राठी, निर्मल सिंह, अंशुल त्यागी, प्रीति, पिंकी, नीतू, दीपा, आदि कृषकों ने प्रतिभाग किया। गोष्ठी की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख राकेश कुमार तथा का संचालन सुभाष सिंह ने किया।

सफाई कर्मियों की हड़ताल से गंदगी के ढेर

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से नगर में लगे कूड़े के ढेर को उठाने के लिए ईओ ओम गिरी पालिका टीम के साथ सड़क पर उतरे और कूड़े को उठवाया। अधिशासी अधिकारी ने हड़ताल कर रहे कर्मचारियों पर भुगतने की धमकी देने का आरोप लगाया है। वही हड़ताल पर सफाई कर्मचारियों को नोटिस भी जारी कर दिया है।

नहटौर पालिका सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अर्जुन सिंह के नेतृत्व में भरत कुमार, विक्की, अमित, सुंदर, राजकुमार, मुकेश, विष्णु, सुरेंद्र, गौरव कुमार, राज, निर्देश, प्रदीप जोनी आदि सफाई कर्मचारी रविवार से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे। सफाई कर्मचारीयो ने मंगलवार को पालिका कार्यालय पर प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन के दौरान अपनी 16 विभिन्न मांगों को लेकर एक मांग पत्र अधिशासी अधिकारी को सौंपा।

बताया जाता है कि अधिशासी अधिकारी ने पहले तीन मांगों को मानने पर सहमति जताई थी, लेकिन अलग-अलग दौर में चली वार्ता में 16 मांगों को नियमों के अनुसार मानने का आश्वासन दिया। आरोप है कि इसके बाद भी हड़ताल कर रहे सफाई कर्मचारियों ने अपनी नई मांग पालिका प्रशासन के सामने रख दी।

जिसको लेकर पालिका के अधिशासी अधिकारी ओम गिरी ने पूर्व की भी मांगों को मानने से इनकार कर दिया। जिस पर सफाई कर्मचारियों ने अपना धरना लगातार जारी रखने का ऐलान कर दिया। नगर में लगे कूड़े के ढेर को हटवाने के लिए अधिशासी अधिकारी ओमगिरी स्वयं पालिका टीम के साथ सड़कों पर उतरे और उन्होंने पालिका के स्थाई कर्मचारियों के सहयोग से सफाई व्यवस्था को दुरूश्त कराया। पालिका के ईओ ने यह भी आरोप लगाया कि कार्यालय में पुलिस के सामने हड़ताल कर रहे सफाई कर्मी अर्जुन और उसके समर्थकों ने भुगत लेने की धमकी दी है।

हड़ताल पर गए अर्जुन व आउट सोर्सिंग कर्मचारियों को सामूहिक नोटिस भी जारी कर दिया। जिसमें काम पर न लौटने पर अग्रिम कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। वहीं सफाई कर्मचारी संघ अर्जुन सिंह ने बताया कि वह अपनी जायज मांगों के लिए हड़ताल पर है।

पालिका प्रशासन सफाई कर्मचारियों को दबाव में लेना चाहता है, इसलिए मनगढ़ंत आरोप लगा रहा है। अर्जुन सिंह नामक सफाई कर्मचारी अन्य सफाई कर्मचारियों को भड़काकर व्यवस्था को भंग कर रहा है। पुलिस के सामने हड़ताल करने वाले कर्मचारियों द्वारा धमकी दी गई है। जिसकी प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है। हड़ताल पर गए कर्मचारियों को नोटिस जारी कर दिया गया है। बुधवार से दैनिक मजदूर को बुलाकर नगर की सफाई व्यवस्था की जाएगी।

डीएम ने ग्राम कुआंखेड़ा में चौपाल पर समस्याओं समाधान किया

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

अफजलगढ़, जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में 'गांव की समस्या–गांव में समाधान' कार्यक्रम के तहत विकासखंड अफजलगढ़ के ग्राम कुआंखेड़ा में चौपाल का आयोजन हुआ। ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं और कई मुद्दों का मौके पर निश्तारण किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, एसडीएम नगीना आशुतोष जैसवाल, जिला पंचायत राज अधिकारी दमनप्रीत सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गांव की जनसंख्या 2753 है, जहां 500 प्रवासी परिवार हैं। पीडीएस के तहत 532 कार्ड धारक हैं, और सभी को नियमित राशन मिल रहा है। हेल्थ सेंटर में एएनएम का पद रिक्त है, जबकि आयुष्मान केंद्र में जावेद अहमद सेवारत हैं। तीन आंगनबाड़ी केंद्रों में 56 बच्चे पंजीकृत हैं। शिक्षा व्यवस्था में एक पूर्व माध्यमिक कन्या विद्यालय, एक प्राथमिक विद्यालय और एक संविलियन विद्यालय है, जिनमें कुल 180 छात्र नामांकित हैं। पेयजल योजना के तहत 464 में से 436 कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

बोरिंग व सोलर पंप तैयार हैं। ओवरहेड टैंक निर्माणाधीन है। पेंशन योजनाओं में 204 लाभार्थी शामिल हैं। ग्राम विकास से जुड़े कार्य जैसे सीसी रोड, खेल मैदान, स्कूल और नालियां मानक के अनुसार पूर्ण किए गए हैं।

डीएम ने भूमि क्रय-विक्रय से रोक हटाने, लिंक मार्गों की मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल के लिए भूमि उपलब्ध कराने और योजनाओं से पात्र लोगों को जोड़ने के निर्देश दिए। समापन पर जिलाधिकारी ने गोद भराई, अन्नप्राशन कराया, पौधरोपण किया और विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण भी किया।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा (इ–प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियंता–II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे ई–निविदा आमंत्रण।

NIT -34	**कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता–II / दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में DSA-SMQL-SRE सेक्शन में सहायक मंडल अभियंता शामली के कार्यक्षेत्र में लेवल क्रॉसिंग संख्या 109 किमी 109/18–110/2 का उन्मूलन व एल.एच.एस (7.0 x 5.0) मीटर का निर्माण व लेवल क्रॉसिंग संख्या 61 किमी 58–9/10 का उन्मूलन व एल.एच.एस (5.0 x 5.0) मीटर और किमी 5/3–4 पर 4.5 x 2.5 मीटर आकार के एलएचएस का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये) :– 149167022.25** **बयाना राशि (रुपये): 895800.00**
निविदा खोलने की तिथि और समय	25.07.2025 15:00 Hrs.
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध।

ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) **IREPS** साइट **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं 128-W/280/e Tender Notice/NIT-34-25-26-W-II दिनांक : 01.07.2025 1997/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

तेजस्वी के तीखे तेवर और 'वक़्फ़' पर ज़ोर पकड़ती चुनावी सियासत

वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंक देने के अपने चुनावी ऐलान के बाद बिहार की राजनीति में तेजस्वी यादव ने उबाल ला दिया है। 29 जून की रैली के बाद इंडिया गठबंधन की ताकत और एकजुटता देखकर भारतीय जनता पार्टी की बौखलाहट बढ़ी हुई है और इसी का नतीजा है कि उसने समाजवादी बनाम नमाज़वादी का नारा उछाला है। यानी वह अब ये साबित करने में लगी है कि असल समाजवादी तो वही है।

दरअसल बिहार में इस बार भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाने का सपना देख रही भारतीय जनता पार्टी इस बात से भी आशंकित है कि अगर नीतीश कुमार ने ऐन वक्त पर पलटी मार दी तो क्या होगा।

उनकी सेहत को लेकर सवाल पहले से ही उठ रहे हैं और पार्टी में उनके उत्तराधिकारी को लेकर भी चर्चाएं कुछ महीनों से तेज़ हैं। पार्टी के उनके करीबी लोग भी दबी जुबान से ये कहने लगे हैं कि नीतीश कुमार पर उम्र का असर होने लगा है। हालांकि नीतीश कोई इतने बूढ़े नहीं हैं, महज 74 साल के हैं। यानी प्रधानमंत्री मोदी से केवल 6 महीने छोटे।

बेशक उन्हें कुछ बीमारियां भी हैं लेकिन राजनीति का नशा कुछ ऐसा होता है कि आप उसमें भी ऊर्जावान बने रहते हैं, खासकर तब जब आप सत्ता में हों। मोदी की ऊर्जा दुनिया देख ही रही है, ऐसे में नीतीश कुमार को भी लगता है कि वो एकदम फिट हैं।

75 साल के होने जा रहे मोदी पर भी ये सवाल तो उठते ही हैं कि क्या वो अपनी पार्टी के लिए बनाई गई रिटायरमेंट की उम्र सीमा के बाद पद छोड़ देंगे, लेकिन सत्ता में बने रहने की उनकी महत्वाकांक्षा शायद ही उन्हें ऐसा करने देगी। यही कहानी नीतीश पर भी लागू होती है।

अपनी राजनीतिक चतुराई और पाला बदलने के खेल में माहिर रहने की वजह से ही नीतीश इतने लंबे समय तक बिहार की सत्ता पर काबिज हैं। बिहार में भाजपा की कमज़ोर हालत का उन्हें भी अंदाज़ा है। उन्हें भी पता है कि बिहार की राजनीति में हिन्दू-मुस्लिम या मंदिर मस्जिद जैसे मुद्दे नहीं चलते। वक्फ कानून के असर का भी उन्हें पता है और बिहार के चुनाव में तेजस्वी के बढ़ते जनाधार को भी वो समझते हैं।

बावजूद इसके नीतीश कुमार कभी मोदी के पैर छूकर, तो कभी उल्टे सीधे अमर्यादित बयान देकर ये संकेत दे चुके हैं कि वह किसी न किसी गंभीर समस्या के शिकार हैं। प्रशांत किशोर भी ये दावा कर चुके हैं। और पार्टी के उनके नेता भी कुछ ऐसा ही बताते हैं। ऐसे में जेडीयू के पटना दफ्तर में आज भी ऐसे पोस्टर देखे जा सकते हैं जिनपर लिखा है '2025 से 30, फिर से नीतीश'।

हालांकि पटना की रैली इंडिया गठबंधन ने नहीं बल्कि इमारत-ए-शरीयत के बैनर तले हुई। इसका नारा था – वक्फ बचाओ, संविधान बचाओ कांफ्रेंस। इससे पहले इस तरह की रैली झारखंड, ओड़िसा और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में भी हो चुकी है, लेकिन पटना में इसका व्यापक असर दिखा औऱ जिसकी धमक दिल्ली तक सुनाई दी। जाहिर है इसके पीछे इंडिया गठबंधन के लगभग सभी नेताओं का मंच पर होना और बिहार चुनाव करीब आते ही तेजस्वी यादव का आम लोगों में लोकप्रियता का और बढ़ना बताया जा रहा है।

लेकिन इस रैली ने भाजपा की नींद तो उड़ा ही दी है। गौरतलब है कि अप्रैल में संसद द्वारा पारित इस कानून की संवैधानिक वैधता को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

रैली में विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं ने काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, सीपीआई (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्य, राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी और लोकसभा सदस्य पप्पू यादव के अलावा इंडिया गठबंधन के अन्य सांसद और विधायक भी मौजूद रहे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का समर्थन संदेश भी पढा।

रैली में तेजस्वी ने कहा, 'आपकी जमीन छीनी जा रही है और अब वे अल्पसंख्यक समुदायों के गरीबों, पिछड़ों, दलितों और अति पिछड़ों के मताधिकार को भी छीनने की कोशिश कर रहे हैं. जो लोग आज सत्ता में हैं, वे जल्दी ही जाने वाले हैं. जब गरीबों की सरकार सत्ता में आएगी, तो बिहार इस कानून को कूड़ेदान में फेंक देगा.'

बेशक तेजस्वी के तेवर तीखे हैं और चुनाव में अभी कुछ महीने बाकी हैं। हवा का रुख बदलने लगा है और राष्ट्रीय राजनीति के अलावा हाल की कुछ घटनाओं में मोदी सरकार की प्रतिष्ठा धूमिल होने से भी भाजपा में बौखलाहट नज़र आ रही है। ऐसे में बेशक बिहार की राजनीति आने वाले दिनों में और दिलचस्प मोड़ पर जाने वाली है।

हिन्दू राष्ट्र का ढोल और जातिवाद का आतंक

निर्मल रानी

स्वयंभू हिन्दू राष्ट्रवादियों द्वारा गत एक दशक से देश के बहुसंख्यक समाज को भारत को 'हिन्दू राष्ट्र' बनाने का सपना दिखाया जा रहा है। देश के अनेक दक्षिणपंथी नेताओं से लेकर तमाम कथावाचक व संत समाज से जुड़े लोग इसी 'प्रोपेगण्डे ' को प्रचारित करने में जुटे हुये हैं। इसी हिन्दू राष्ट्र की दुहाई देकर समाज में धर्म के आधार पर नफ़रत फैलाई जा रही है।

सत्ता संरक्षित नफ़रती लोग धर्म विशेष के विरुद्ध जमकर ज़हर उगल रहे हैं और इसी बहाने देश के बहुसंख्य समाज को हिंदुत्व के नाम पर संगठित होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जिस देश में सभी धर्मों के लोग सदियों से मिलकर रहते आ रहे हों उस देश के बहुसंख्य समाज को अब अल्पसंख्यक समाज का भय दिखाकर शेष बहुसंख्य समाज को एकजुट होने का पाठ केवल और केवल अपने राजनैतिक लाभ के लिए पढ़ाया जा रहा है।

इन्हीं दक्षिणपंथी शक्तियों द्वारा इसी हिन्दू राष्ट्रवाद के नाम पर छेड़ी गयी मुहिम के मध्य, देश के उस संविधान को भी बदलने का प्रयास किया जा रहा है जो भारतवसियों को समानता, समरसता, समाजवाद व धर्मनिरपेक्षता का अधिकार देता है। साथ ही इन्हीं स्वयंभू हिन्दू राष्ट्रवादियों द्वारा विवादित मनुस्मृति को भातीय संविधान के रूप में थोपे जाने की वकालत भी की जा रही है।

यह शक्तियां उसी मनुस्मृति को देश पर थोपने के लिये प्रयासरत हैं जिसे संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर ने 25 दिसंबर 1927 को महाराष्ट्र के महाड में सार्वजनिक रूप से जलाया था। मनुस्मृति का विरोध करने वाले लोग आज भी उस ऐतिहासिक दिन को 'मनुस्मृति दहन दिवस' के रूप में याद करते हैं। डॉ अंबेडकर ने मनु स्मृति का दहन इसलिये किया था क्योंकि यह ग्रंथ सामाजिक असमानता और जाति व्यवस्था को प्रोत्साहित करने वाली शिक्षाओं को बढ़ावा देता है। जबकि मनु स्मृति का विरोध व इसके दहन का उद्देश्य दलितों और शोषित वर्गों के लिए समानता और न्याय की मांग को प्रतीकात्मक रूप से व्यक्त करना था।

सवाल यह है कि दक्षिणपंथियों द्वारा जिस मनुस्मृति की पैरवी की जा रही है क्या वह हिन्दू राष्ट्रवादियों द्वारा दिखाये जा रहे हिन्दू राष्ट्र निर्माण के स्वप्न को पूरा करने में सहायक साबित हो सकती है? यदि हाँ तो पहला सवाल तो यही की बाबा साहब जैसी शख़्सियत को इसे जलाने की नौबत ही क्यों आई? और दूसरे यह कि आख़रि हिन्दू धर्म में वह कौन सी व्यवस्था थी जिसका विरोध करते हुये डॉ. भीमराव आंबेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में एक ऐतिहासिक धर्म परिवर्तन समारोह में बौद्ध धर्म स्वीकार किया।

इस सामूहिक धर्म परिवर्तन समारोह में डॉ. आंबेडकर के साथ उनके लगभग 3, 80, 000 अनुयायियों ने जिनमें मुख्य रूप से दलित समुदाय के लोग शामिल थे, बौद्ध धर्म स्वीकार किया। आज भी इस सामूहिक धर्म परिवर्तन को भारत में सामाजिक समानता और दलित आंदोलन का एक महत्वपूर्ण क़दम माना जाता है। परन्तु दुःख का विषय तो यह है कि शोषित वर्ग द्वारा किये गये इस धर्म परिवर्तन के बावजूद आज भी मनुवादियों की सोच में कोई अंतर नहीं आया है। बल्कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह जातिवादी विचारधारा गत दस वर्षों में और भी सिर चढ़ कर बोलने लगी है। और तो और अब इस जातिवादी सोच का शिकार केवल दलित

समाज के लोग ही नहीं बल्कि पिछड़ी जातियों के लोग भी होने लगे हैं।

इसका जीता जागता प्रमाण पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के इटावा ज़लिे में केवर थाना क्षेत्र के दादरपुर गांव में देखने को मिला। यहाँ भागवत कथा कहने आए यादव समाज से सम्बन्ध रखने वाले एक कथावाचक भागवताचार्य व्यास मुकुट मणि के साथ ब्राह्मण समाज के लोग अत्यंत क्रूरता से पेश आये। कथावाचक को अपमानित किया उनके साथ मारपीट की और उनकी चोटी काटकर इस क्रूरता का वीडियो भी वायरल कर दिया गया। उनका क़ुसूर यही बताया गया कि कथा वाचन कर रहे व्यास, ब्राह्मण समुदाय के नहीं थे इसलिए उनकी चोटी काट दी गई और उनका वीडियो वायरल किया गया।

इतना ही नहीं बल्कि बाल काटने के बाद 5 घंटे तक उन्हें बंधक बनाकर भी रखा गया। जातिवादी क्रूरता का अध्याय यहीं समाप्त नहीं हुआ बल्कि पीड़ित कथावाचक के अनुसार भागवत कथा के दौरान जो ब्राह्मण महिला परीक्षित थी, उसके पैरों पर कथावाचक की जबरन नाक रगड़वाई गई और उसी ब्राह्मण महिला के मूत्र से उस पर छिड़काव भी किया गया। उस पंडितानी महिला का मूत्र छिड़कने के बाद इन जातिवादियों द्वारा उससे कहा गया कि 'ब्राह्मण का मूत्र तुम्हारे ऊपर पड़ गया अब तुम पवित्र हो गए'।

ज़रा सोचिये कि कौन सी शिक्षा व संस्कार हैं जो इस क्रूरता के लिये जाति विशेष के लोगों दूसरी जातियों के विरुद्ध प्रोत्साहित करते हैं?

दलितों के साथ तो ऐसी घटनाएं गोया आम बात हो चुकी हैं। पिछले दिनों ऐसी ही एक हृदय विदारक घटना उड़ीसा में हुई जहाँ गोतस्करी का आरोप लगाकर कुछ जातिवादी गुंडों द्वारा पहले तो उनसे पैसे वसूलने की कोशिश की गयी। जब दलित युवक पैसे देने में असमर्थ हुये तो उन दोनों युवाओं को 2 किलोमीटर तक घुटने के बल चलने के लिये मजबूर किया गया। इनके सर के बाल भद्दे तरीक़े से काटे गये उन्हें मारा पीटा गया, उनके कपड़े फाड़े गये, उन्हें घास फूस खिलाई गयी।

इतना ही नहीं बल्कि उन्हें नाले का गन्दा पानी पीने के लिए भी मजबूर किया गया। इस तरह की घटनाएं भी आम हो चुकी हैं। अफ़सोस यह कि ऐसी क्रूर सोच व घृणित संस्कार रखने वाले लोगों को अनेक संतों व नेताओं का समर्थन भी मिल जाता है और वह मनुस्मृति जैसे जातिवादी धर्म ग्रंथों व संहिताओं से ही ढूंढ कर इन जातिवादियों के पक्ष में तर्क भी पेश कर देते हैं। और ऐसे ही जातिवादी लोगों के पैरोकार व समर्थक ही हिन्दू राष्ट्र व हिन्दू एकता जैसी विरोधाभासी बातें भी करते हैं।

और इससे भी बड़ी हास्यास्पद बात यह है कि यह शक्तियां अपनी कुरीतियां छुपाने के लिये अपने धर्म ग्रंथों व संहिताओं का ज़क्रि करने के बजाये मुग़लों का नाम लेने लग जाती हैं। यानी एक ओर तो यह हिन्दू धर्म व संस्कृति को विश्व का सबसे प्राचीन धर्म बताते हैं जिसमे वर्ण व्यवस्था का ज़क्रि और इस व्यवस्था का महिमामंडन जगह जगह किया गया है।

दूसरी ओर मात्र 1400 वर्ष पुराने इस्लाम धर्म पर अपनी जातिवादी व्यवस्था का ठीकरा फोड़ने की कोशिश करते हैं। दरअसल स्वयंभू उच्च जाति वालों की यह एक सोची समझी रणनीति है जिसके तहत यह लोग हिन्दू राष्ट्र का ढोल पीटते रहते हैं इसी बहाने हिन्दू समाज को एकजुट कर इनका राजनैतिक लाभ उठाने की भी कोशिश करते हैं। परन्तु इनके ग्रन्थ व संस्कार इन्हें जातिवाद का आतंक फैलाने से रोक नहीं पाते।

हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनायें

ललित गर्ग

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रत्तर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए।

विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वाश्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है।

यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अशितत्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा।

हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा।

ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय श्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी मंज पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है।

भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है।

फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी।

क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरुआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी।

मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई।

ऐसे में निश्चित ही मराठा राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिंदी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर तीखे हिंदी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ-साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पड़ेगा।

हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे? हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा-राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएग और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता की जीत हासिल हो जाएगी।

महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर-सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41 प्रतिशत हो गई।

महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76 प्रतिशत से 73.4 प्रतिशत पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया। इसीलिये हिंदी लादने के इस फैसले ने न केवल उद्धव और राज ठाकरे को आक्रामक रूप में सामने ले आई बल्कि 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक मंच पर आने की खबर ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी।

5 जुलाई को होने वाली हिन्दी विजय रैली पर महाराष्ट्र के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि मराठी भाषा और संस्कृति के मुद्दे पर सुर में सुर मिलाने वाले उद्धव और राज ठाकरे को सियासी हौसला मिल गया है। जिसे महाराष्ट्र की सियासत में एक नया मोड़ माना जा रहा, लेकिन साथ ही सवाल है कि उद्धव और राज ठाकरे की सियासी केमिस्ट्री कब तक बरकरार रहेगी।

हिंदी बनाम मराठी विवाद को कई बार राजनीतिक रंग भी दिया गया है। कुछ स्थानीय दलों ने हिंदी भाषी प्रवासियों, विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को निशाने पर लेकर हिंदी भाषा पर परोक्ष रूप से प्रहार किया है। इससे न केवल भाषा के नाम पर लोगों में दूरी बढ़ी है, बल्कि महाराष्ट्र की समावेशी छवि को भी आघात पहुंचा है।

महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों, विशेषकर मुंबई, ठाणे, पुणे, और नासिक में बड़ी संख्या में हिंदीभाषी समुदाय निवास करता है। ये लोग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था, व्यापार, निर्माण और सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परंतु जब इनकी भाषा को दोयम दर्जे का माना जाता है, या उनके साथ भेदभाव किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा 'एकता में अनेकता' के विपरीत है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में हिंदी और मराठी दोनों को मान्यता प्राप्त है। हिंदी भारत की राजभाषा है और मराठी महाराष्ट्र की राजभाषा।

किसी भी राज्य में भाषा का सम्मान होना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर दूसरी भाषाओं को अपमानित करना न तो संवैधानिक है और न ही नैतिक। भाषायी सह-अशितत्व के लिये महाराष्ट्र में मराठी को सर्वोच्च स्थान मिले, लेकिन हिंदी भाषा को भी सम्मान मिले, यह संतुलन ही स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है।

स्कूलों में मराठी, हिंदी और अंग्रेजी- तीनों भाषाओं को समुचित महत्व देकर बच्चों में बहुभाषिक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल भाजपा एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है।

हेमंत खंडेलवाल की मप्र भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी के मायने

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश की राजनीति में हाल के वर्षों में नए नेतृत्व के रुप में डॉ. मोहन यादव का उभार को एक बड़ी राजनीतिक घटना के तौर पर देखा गया है। बेहद कम समय में अपनी लगन, मेहनत, समाजसेवा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से नजदीकी के दम पर देश की राजनीति में खुद को एक मंझे हुए खिलाडी के तौर पर स्थापित कर लिया है।

डॉ. मोहन यादव का मुख्यमंत्री बनना भाजपा की एक रणनीति का हिस्सा था जिसके तहत पार्टी ने एक ओबीसी चेहरे को आगे बढ़ाकर प्रदेश से बाहर भी तमाम सामाजिक समीकरणों को साधने की बेहतर कोशिश की। उनकी मध्यप्रदेश के सीएम के रूप में ताजपोशी न केवल मध्यप्रदेश में, बल्कि पड़ोसी राज्यों विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार में भी भाजपा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना गया।

अब मध्यप्रदेश भाजपा में लंबे समय से चल रही अटकलों का आज अंत हो गया जब बैतूल से विधायक और पूर्व सांसद हेमंत खंडेलवाल को प्रदेश अध्यक्ष के रूप में चुन लिया गया है। उनकी ताजपोशी न केवल मध्यप्रदेश भाजपा के लिए एक नया अध्याय शुरू करेगी बल्कि यह संगठनात्मक और सामाजिक समीकरणों को भी बेहतर तरीके से साधेगी।

हेमंत खंडेलवाल मध्यप्रदेश के बैतूल क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं जिन्होंने एक सामान्य कार्यकर्ता के तौर पर पार्टी में संगठन शिल्पी के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी साफ-सुथरी छवि और कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर तालमेल और आरएसएस से बेहतरीन तालमेल ने ने उन्हें इस पद के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार बनाया। खंडेलवाल की ताजपोशी मालवा-निमाड़ से लेकर महाकौशल सरीखे क्षेत्रों में आने वाले दिनों में भी बड़ा प्रभाव छोड़ेगी जो प्रदेश में क्षेत्रीय संतुलन के लिहाज से भी बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

खंडेलवाल मध्यप्रदेश भाजपा के एक महत्वपूर्ण संगठनकर्ता और रणनीतिकार के रूप में जाने जाते हैं। जमीनी श्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ उनकी संवाद कला और कार्यकर्ताओं में मजबूत पकड़ ने उनके चयन में बड़ी भूमिका निभाई है।

हेमंत खंडेलवाल ने उज्जैन जैसे महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा की जीत में उनकी रणनीति ने अहम भूमिका निभाई है। खंडेलवाल की कार्यशैली में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की असाधारण क्षमता है। पार्टी के सीनियर और जूनियर नेताओं के साथ भी उनके सम्बन्ध बेहतरीन रहे हैं। वे उन नेताओं में से हैं जो पर्दे के पीछे रहकर संगठन को मजबूत करते रहे और सबके चहेते बने रहे।

हेमंत खंडेलवाल का निर्वाचन निर्विरोध होने के पीछे सामाजिक और जातीय संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है। वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव ओबीसी वर्ग से और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा अनुसूचित जाति वर्ग से हैं। ऐसे में सामान्य वर्ग या अनुसूचित जनजाति वर्ग से अध्यक्ष चुनने की रणनीति के तहत खंडेलवाल का नाम आगे आया। यह कदम भाजपा की सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास की नीति को दर्शाता है।

हेमंत खंडेलवाल की राजनीतिक पृष्ठभूमि भी मजबूत रही है। उनके पिता विजय खंडेलवाल भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे हैं जिससे संगठन की उन्हें अच्छी समझ रही है। खंडेलवाल की बेदाग़ ईमानदार छवि और साफ-सुथरे ट्रैक रिकॉर्ड ने उन्हें अन्य दावेदारों से कहीं आगे करने का काम किया है। हेमंत खंडेलवाल ने 2007 में पहली बार बैतूल लोकसभा उपचुनाव में जीत हासिल की थी।

यह सीट उनके पिता विजय खंडेलवाल के निधन के बाद खाली हुई थी। 2009 में बैतूल लोकसभा सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हो गई लेकिन खंडेलवाल की भूमिका इसके बाद भी प्रभावशाली बनी रही। उन्होंने 2013 में विधायक के रूप में जीत दर्ज की।

2018 में वह चुनाव हार गए। 2023 में वह फिर से विधायक चुने गए। वर्तमान में हेमंत खंडेलवाल प्रदेश भाजपा के कुशाभाऊ ठाकरे ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं। हेमंत खंडेलवाल एक कुशल संगठनकर्ता होने के साथ चुनाव रणनीति में बेहतरीन रणनीति के साथ कार्य करने के लिए जाने जाते हैं। मध्यप्रदेश भाजपा के कुशल चुनावी संचालकों में से एक हेमंत खंडेलवाल रहे हैं।

किसी राजनेता की छवि को जनता के बीच स्थापित करते हुए किस तरीके से अनूकूल परिणाम लाए जा सकते हैं यह हेमंत खंडेलवाल से बेहतर शायद ही कोई नेता महसूस कर सकता है।

हेमंत खंडेलवाल ने भाजपा के संगठन को अपने व्यवहारिक और सांगठनिक कार्यों के जरिए सहेजा है। उन्होंने खुद को गुटबाजी से ऊपर रखते हुए पार्टी को एकजुट करने की नीतिगत कोशिशें की हैं। इसी परिपक्वता ने उन्हें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर आज अन्य नेताओं से कहीं आगे बेहद मजबूत किया है।

अब जबकि मध्यप्रदेश कांग्रेस का युवा वर्ग गुटबाजी और भारी आंतरिक कलह से जूझ रहा है, हेमंत खंडेलवाल जैसे नेता भाजपा के लिए नई ऊर्जा और उम्मीद का प्रतीक बनकर उभर रहे हैं।

उन्होंने हमेशा पार्टी हित को सदैव सर्वोपरि रखा है। हेमंत खंडेलवाल ने अपने अब तक के राजनीतिक सफर में कुशल संगठन शिल्पी, कार्यकर्ताओं के साथ शालीनता, संवाद और एक ईमानदार जनप्रतिनिधि होने की गम्भीरता दिखाई है यही उनकी सबसे बड़ी यूएसपी रही है जिसका लाभ उन्हें आज मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर मिला है।

डॉ.मोहन यादव और हेमंत खंडेलवाल की बेहतरीन ट्यूनिंग रही है। दोनों ही नेता मध्यप्रदेश के उस क्षेत्र से आते हैं जो भाजपा का एक बड़ा मजबूत गढ़ रहा है। इस क्षेत्र में दोनों की गहरी पैठ और आपसी समन्वय ने भाजपा को न केवल विधानसभा चुनावों में बल्कि स्थानीय चुनावों में भी मजबूती प्रदान की है।

मौजूदा दौर में प्रदेश की सियासत में यह जोड़ी न केवल भारतीय जनता पार्टी के भीतर अपनी मजबूत स्थिति के लिए जानी जा रही है, बल्कि उनकी आपसी समझ और रणनीतिक समन्वय ने मध्य प्रदेश भाजपा की राजनीति में एक नया आयाम जोड़ा है।

पिछले कुछ समय से भाजपा में जिस तरीके से विधायक संगठन को लगातार ताक पर रखते हुए सरकार को आईना दिखाने से पीछे नहीं हैं उसके मद्देनजर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और हेमंत खंडेलवाल की नई जोड़ी मध्यप्रदेश भाजपा के लिए संजीवनी के समान कारगर साबित हो सकती है। हेमंत खंडेलवाल की प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर ताजपोशी मध्यप्रदेश भाजपा के लिए एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक साबित हो सकती है।

एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने अपनी कुशल नेतृत्व क्षमता और ठोस निर्णयों से खुद को जननायक बनाया है वहीं हेमंत खंडेलवाल ने सामान्य कार्यकर्ता के रूप में संगठन शिल्पी के तौर पर पार्टी को मजबूत करने के साथ ही पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने का काम किया है। डॉ. मोहन यादव का ओबीसी समुदाय से होना और हेमंत खंडेलवाल की सामान्य वैश्य वर्ग में पकड़ ने भाजपा को विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच संतुलन बनाने में मदद की है।

मध्यप्रदेश में ओबीसी समुदाय की 52 फीसदी आबादी को देखते हुए यह जोड़ी अब आने वाले दिनों में सामाजिक समावेश की दिशा में एक मजबूत कड़ी बनकर उभर सकती है। भविष्य में इस जोड़ी की ट्यूनिंग बीजेपी के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। डॉ.मोहन यादव का मुख्यमंत्री के रूप में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और खंडेलवाल की संगठनात्मक रणनीति मिलकर मध्यप्रदेश भाजपा को और मजबूत कर सकती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा संगठन दोनों को भी अब यह भरोसा है कि हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल बना रहेगा। इसी को देखते हुए सभी कार्यकर्ता उनके नाम पर सहमत नजर आये हैं।

हेमंत खंडेलवाल के सामने सबसे बड़ी चुनौती मध्यप्रदेश में भाजपा संगठन को मजबूत करने से लेकर पार्टी के सभी विधायकों, सांसदों और कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय की होगी।

आगामी विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों को देखते हुए संगठन के भीतर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने से लेकर जनता के बीच पार्टी की नीतियों को प्रभावी ढंग से ले जाने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी। उनकी जमीनी सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण ने उन्हें यह पद दिलाया है। यह दर्शाता है कि भाजपा में नेतृत्व चयन में सोशल मीडिया की चमक से ज्यादा जमीनी कार्यकर्ता को महत्व दिया जाता है। ह

`मंत खंडेलवाल की ताजपोशी मध्यप्रदेश भाजपा के लिए एक नई दिशा और ऊर्जा लाने की उम्मीद की जा रही है। उनकी नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और यह माना जा रहा है कि वे अपने करिश्मे से संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। इस ताजपोशी ने यह भी साबित किया है मध्यप्रदेश भाजपा अब एक नए युग में प्रवेश कर रही है और वह नए नेतृत्व और सामान्य से कार्यकर्ता को भी उभरने का बेहतर मौका दे रही है।

डॉ.मोहन यादव का विजन और हेमंत खंडेलवाल का बेहतरीन समन्वय अब मध्यप्रदेश भाजपा में सफलता का नया अध्याय लिखेगा। यह जोड़ी आने वाले दिनों में मध्यप्रदेश भाजपा के लिए भी एक बड़ा सकारात्मक संदेश देगी। भविष्य में इस जोड़ी का समन्वय और रणनीति प्रदेश भाजपा को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

भदोही में सनसनीखेज वारदात, पति ने पत्नी की गला काटकर की हत्या

भदोही , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के सुरियावां थाना क्षेत्र के वारी गांव में एक पति ने धारदार हथियार से पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद सिंदूर पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई।

लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को आनन- फानन जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं पत्नी का शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि महिला के घरवालों ने तहरीर के माध्यम से बताया कि पांच वर्ष पूर्व बेटी की शादी की थी। उसके बाद से ही पति द्वारा उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था।

काशी में गंगा के बढ़ते जलस्तर को लेकर जल पुलिस अलर्ट, लोगों से कर रही खास अपील

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जल पुलिस ने नाविकों व स्नानार्थियों से सतर्कता बरतने के लिए अपील कर रही है। लोगों से कहा जा रहा है कि स्नान करते समय बच्चों का हाथ पकड़ कर रखें।

वहीं नाविकों से नाव पर क्षमता से आधे लोगों को बैठाने के लिए कहा जा रहा है। नाव के अगले हिस्से पर यात्रियों को न बैठाया जाए, इसके लिए निर्देशित किया जा रहा है।

शार्ट सर्किट से टूरिस्ट बस में लगी आग, धू- धू कर जली; यात्रियों ने कूद कर बचाई जान

जौनपुर , एजेंसी। जौनपुर राय बरेली राज मार्ग पर प्रतापगंज बाजार के पास बुधवार को दोपहर में दिल्ली से वाराणसी जा रही हाईवे स्टार बस सर्विस की एक टूरिस्ट बस में शॉर्ट शर्किट से लगी आग से बस आग का गोला बन गई। बस में सवार 14 यात्रियों ने किसी तरह कूद कर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंचे दो दमकल वाहनों की मदद से आग पर काबू पाया गया। इस बीच हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। लगभग डेढ़ घंटे तक यातायात बाधित रहा। मौके पर सिकरारा पुलिस मौजूद रही।

ये है मामला: बुधवार को एसी टूरिस्ट बस दिल्ली से वाराणसी को जा रही रही। बस चालक दिल्ली निवासी कमल के अनुसार जब वह गुलजरगंज पहुंचे तो उन्हें कुछ जलने की गंध महसूस हुई। उस समय बस बीच बाजार में थी इसलिए तुरंत बस रोकना घातक हो सकता था। ऐसे में वे बाजार से बाहर आकर बस रोक कर बोनट उठाए तो नीचे आग लगी देख उनके होश उड़ गए। चालक ने यात्रियों को धैर्य से बस से नीचे उतरने को कहा। आग की सूचना पर बस में अफरातफरी मच गई। किसी तरह लोग अपना छोटा सामान पिट्ठू बैग आदि लेकर बस से कूद पड़े, लेकिन वजन सामन बस की डिक्की व अंदर रह गया, जो आग से जल गया। दोनों तरफ 150 मीटर दूर तक लोग खड़े रहे।

बस से 10 मीटर दूर संजय कुमार अग्रहरि की गुमटी में दुकान थी, जो आग की लपटों की चपेट में आ गई और उसमें रखा हेलमेट, बाइक सीट कवर आदि जल गया। दुकानदार के अनुसार 60 हजार का नुकसान हुआ है।

उधर, बस में सफर कर रहे जिले चम्बलतार निवासी शिवाकुमार ने बताया कि जौनपुर में उतरने वाले थे, इसलिए बैग आदि पास ही रख लिए थे। जिससे वह सकुशल बस से नीचे उतर गए। इस बीच राज मार्ग पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। थानाध्यक्ष उदयप्रताप सिंह ने बताया कि सूचना पर मय फोर्स मौके पर पहुंचकर लोगों को दूर रहने के लिए सावधान किया।

तेज रफ्तार ट्रक ने टेंपो में मारी टक्कर, दंपती की मौत, दूर जा छिटका पांच साल का मासूम...जख्मी

मुरादाबाद , एजेंसी। मुरादाबाद-आगरा हाईवे पर तेज रफ्तार की टक्कर से टेंपो सवार अजय पाल (30), उनकी पत्नी पूनम (25) की मौत हो गई। जबकि टेंपो में उनके साथ बैठा बेटा प्रिंस (5) और रिश्तेदार पुष्पेंद्र (25) घायल हो गए। पुष्पेंद्र की हालत भी नाजुक बताई जा रही है।

हादसा मंगलवार देर रात 11 बजे बिलारी क्षेत्र में स्थित इब्राहिमपुर टोल प्लाजा के पास हुआ। थाना आंवला (बरेली) के गांव बेटा जानू निवासी टेंपो चालक अजय पाल पत्नी पूनम के साथ टेंपो से मुरादाबाद होते हुए नोएडा जा रहे थे।

टेंपो में अजय पाल का बेटा प्रिंस और उनका मौसेरा भाई थाना कासगंज के नवैनी गांव निवासी पुष्पेंद्र भी सवार था। जैसे ही उनका टेंपो इब्राहिमपुर टोल प्लाजा के पास पहुंचा तभी बिलारी की ओर से चंदौसी जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टेंपो को रौंद दिया।

ट्रक की टक्कर से टेंपो पलट गया और टेंपो में सवार बच्चे समेत चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही थाना बिलारी पुलिस मौके पर पहुंची

और घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल बिलारी पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सक ने देखते ही अजय पाल और उसकी पत्नी पूनम को मृत घोषित कर दिया जबकि अजय पाल के मौसेरे भाई पुष्पेंद्र की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

प्रिंस के मामूली चोट आने पर उसका प्राथमिक उपचार किया गया। बताया जाता है कि अजय पाल नोएडा में टेंपो चलाता था। तीन दिन पहले वह अपने घर किसी खुशी के कार्यक्रम में शामिल होने आया था।

ट्रेन से गिरकर गोंडा के युवक की मौत

नौकरी की तलाश में घर से निकले युवक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। मूंढापांडे थाना क्षेत्र के हरसैनपुर के पास रेलवे ट्रैक पर मंगलवार को एक युवक का शव मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मृतक की पहचान 35 वर्षीय अजय के रूप में कराई। अजय गोंडा जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के लौवो वीर का रहने वाला था। मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हुई। थाना प्रभारी राजीव शर्मा ने बताया कि अजय के परिवार से फोन पर बातचीत हुई है। उन्होंने बताया कि अजय नौकरी की तलाश में अनूप शहर गया था। वहां से घर लौट रहा था। उसकी जेब से अयोध्या का टिकट मिला है।

करोड़ों की संपत्ती, फिर भी बहू को घर से निकाल दिया

आगरा , एजेंसी। आगरा के हरीपर्वत क्षेत्र के बड़े परिवार की बेटी का शादी के बाद दिल्ली स्थित ससुराल में उत्पीड़न किया गया। आरोप है कि ससुराल में पहुंचते ही अतिरिक्त दहेज में 10 करोड़ रुपये मांगे गए। रकम देने से मना करने पर उत्पीड़न किया जाने लगा। भूखा प्यासा रखा गया। तलाक के लिए दबाव बनाया जाने लगा। इससे वह अवसाद में आ गई। एक दिन ससुरालियों ने घर से निकाल दिया। वह किसी तरह घर पहुंची। परिवार के लोगों ने बातचीत से विवाद खत्म कराने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बन सकी। इस पर थाना में केस दर्ज कराया गया है। हरीपर्वत क्षेत्र की रहने वाली युवती की शादी नवंबर 2024 में दिल्ली के युवक से हुई थी। पीड़िता के पिता ने बताया कि शादी में 4 करोड़ से अधिक खर्च हुए थे। इसके बावजूद ससुराली संतुष्ट नहीं थे। बेटी का उत्पीड़न करने लगे। बेटी पर 10 करोड़ रुपये लेकर आने पर ही ससुराल में रहने देने की बात करने लगे। इस पर सास-ससुर, ननद-नंदोई को समझाया। मगर, वो नहीं माने। आरोप है कि बेटी को तंग करने लगे। दिसंबर 2024 में दामाद के जन्मदिन पर 50 लाख रुपये की मांग की। न देने पर तलाक के दस्तावेजों पर दस्तखत करने का दबाव बनाने लगे। बात नहीं मानने पर अश्लील और अपमानजनक बातें करते थे। खाना न देने के साथ ही बेटी के चरित्र पर सवाल खड़ा किया जाने लगा। एक बार गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। इससे उसकी आवाज भी चली गई। इस कारण एक निजी अस्पताल में उपचार कराया गया। फरवरी में पीटकर घर से निकाल दिया। वह उसे नोएडा से आगरा लेकर आए। 24 जून को दामाद और उसके घरवालों ने फोन करके परिवार को धमकी दी। पीड़ित परिजन ने पुलिस आयुक्त से शिकायत की। इस पर दहेज उत्पीड़न सहित अन्य धारा में केस दर्ज किया गया। एसीपी हरीपर्वत विनायक भोसले ने बताया कि मामले में साक्ष्य संकलन किया जा रहा है। इसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

मुरादाबाद में अखिलेश यादव के जन्मदिन पर कटा गुटबाजी का केक, लगे आजम विरोधियों को बाहर करो के नारे

मुरादाबाद , एजेंसी। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन कार्यक्रम के दौरान गुटबाजी हावी रही। जिला कार्यालय पर सपा सांसद रुचिवीरा और पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन के गुट में खींचतान देखने को मिली। इस दौरान सांसद के समर्थकों ने पूर्व सांसद को देखकर आजम खां के विरोधियों को बाहर करो के नारे भी लगाए गए।

इस गुटबाजी के बीच अखिलेश यादव के जन्मदिन का केट काटकर उनकी दीर्घायु की कामना की गई।चक्कर की मिलक स्थित सपा जिला कार्यालय पर मंगलवार को अखिलेश यादव के जन्मदिन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव और विधायक मोहम्मद फहीम केक काटने की तैयारी में थे।

तभी पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन भी कार्यालय पहुंच गए। उस समय कुछ दूरी पर खड़े सांसद समर्थक पूर्व महानगर अध्यक्ष शाने अली शानू और अन्य कार्यकर्ताओं ने पूर्व सांसद को देखते ही आजम खां के विरोधियों को बाहर करो के नारे लगाने शुरू कर दिए।

नारेबाजी को सुनने के बाद पूर्व सांसद कार्यालय से चले गए। बता दें कि आजम खां की पत्नी तजीन फात्मा के बयान को लेकर सांसद रुचिवीरा और पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन आमने सामने आए गए थे। वहीं जिलाध्यक्ष की अगुवाई में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने केक काटकर अखिलेश यादव की दीर्घायु की कामना की।

साथ ही 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया गया। इस दौरान कांठ विधायक कमाल अख्तर, पूर्व विधायक हाजी रिजवान, जिला प्रवक्ता धर्मेंद्र यादव, जुगल किशोर वाल्मीकि, जयकुमार प्रजापति, खलील अहमद, दिव्यांशु सागर, हिमांशु सैनी, अभय यादव, विवेक चौहान, प्रवीण सैनी आदि मौजूद रहे।

युवक का बेरहमी से कत्ल: शरीर पर ऐसे जख्म, जिनमें पड़ गए कीड़े...पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर के भी कांप गए हाथ

आगरा, एजेंसी। आगरा में चार दिन पहले दूधिए के लड़के ने अपने दोस्तों के साथ घर से बुलाने के बाद सुल्तानगंज की पुलिया के युवक कुनाल (20) की हत्या कर दी। शव को हाथरस के सहपऊ में सूखे कुएं में फेंक दिया। युवक का शव कुएं से सड़ी गली हालत में मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार युवक के सिर पर किसी भारी वस्तु से प्रहार किया गया था। इस कारण उसकी मौत हुई थी। शरीर को कीड़ों ने खा लिया था। इस कारण अन्य चोटों के निशान स्पष्ट नहीं हो सके हैं।

बताया गया है कि हत्यारोपियों ने उसके परिजन को फिरौती के लिए भी कॉल किया था। परिजन के सुराग देने पर पुलिस ने दोस्त और उसके प्रधान पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की। हत्यारोपी की निशानदेही पर सड़ा गला शव कुएं में मिला। देर शाम परिजन ने सुल्तानगंज की पुलिया पर शव रखकर जाम लगाकर हंगामा किया। उनका कहना था कि पुलिस ने चार दिन तक तलाश करने में ढिलाई बरती। 45 मिनट तक जाम लगा रहा। सुल्तानगंज की पुलिया पर रहने वाले देवेंद्र प्रजापति बल्केश्वर में मिठाई और चाट आदि का काम करते हैं। बेटा कुनाल (20) भी उनके काम में हाथ बंटाता था। युवक की बहन दीक्षा ने बताया कि कुनाल 27 जून की सुबह 11 बजे घर से स्कूटर लेकर निकला था। कुछ देर में आने की कहकर गया था। काफी देर तक नहीं लौटा तो मां विरमा देवी ने कॉल किया। उसने बताया कि वह हाथरस रोड पर है, पता नहीं यह लोग कहां ले जा रहे हैं, कहीं मार नहीं दें। इसके बाद मोबाइल बंद हो गया।

परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। 28 जून की सुबह हरीपर्वत थाने में तहरीर दी। शक घर आने वाले दूधिया के परिजन पर जताया। इस पर पुलिस ने खंदौली इलाके के प्रधान पप्पू यादव और उसके पुत्र शिवम को हिरासत में लेकर पूछताछ की। मृतक के चाचा देवकीनंदन ने बताया कि आरोपियों ने कुनाल की हत्या कर उसका शव सहपऊ क्षेत्र में फेंकने की बात कही। इस आधार पर पुलिस 30 जून की रात करीब दो बजे यहां पहुंचकर कुनाल को तलाश करने लगी। मंगलवार को बाजरा के खेतों के मध्य बने कुएं के पास सड़ा-गला शव मिला। पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। चाचा ने बताया कि उनके परिवार की किसी के साथ कोई दुश्मनी नहीं थी। पता नहीं उनके भतीजे को किसने मार दिया।

सिर पर भारी वस्तु से प्रहार कर की युवक की हत्या

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार युवक के सिर पर किसी भारी वस्तु से प्रहार किया गया था।

इस कारण उसकी मौत हुई थी। शरीर को कीड़ों ने खा लिया था। इस कारण अन्य चोटों के निशान स्पष्ट नहीं हो सके हैं। सीओ हिमांशु माथुर ने बताया कि भारी वस्तु से प्रहार किया गया है। रिपोर्ट को आगरा भेज दिया गया है।

नौ हेक्टेयर जमीन के फेर में 12 साल से फंसा मेगा लेदर क्लस्टर, 2026 तक प्रोजेक्ट को पूरा करने का है लक्ष्य

कानपुर , एजेंसी। कानपुर जिले के रमईपुर क्षेत्र में वर्ष 2013 से प्रस्तावित मेगा लेदर क्लस्टर परियोजना 12 साल बाद भी धरातल पर नहीं उतर सकी है। वर्ष 2026 में परियोजना के पूर्ण होने का समय निर्धारित था, लेकिन मेगा लेदर क्लस्टर यूपी लिमिटेड के निदेशक अशरफ रिजवान अभी तक किसानों से पूरी जमीन ही नहीं खरीद सके हैं। नौ हेक्टेयर जमीन के चक्कर में अभी तक जमीन अधिग्रहण तक पूरा नहीं हो सका।

अब निदेशक ने नई स्कीम के तहत परियोजना को शामिल करने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ प्लानिंग ट्रांसपोर्ट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीटीआई) को पत्र लिखा है। अगस्त तक शेष नौ हेक्टेयर जमीन खरीदकर परियोजना को सौंपने की बात भी कही है। मेगा लेदर क्लस्टर स्थापना की कवायद 2013 में शुरू हुई थी। करौना बहादुर नग, मगरासा और सेन पूरब पारा में 100 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में मेगा लेदर क्लस्टर की स्थापना होनी है।

35 हेक्टेयर भूमि साढ़ के कुरौना बहादुरनगर में मिलनी है

मेगा लेदर क्लस्टर यूपी लिमिटेड ने ग्राम समाज की 42.02 हेक्टेयर भूमि आठ साल पहले राजस्व विभाग से ली थी। इस भूमि का पुनर्ग्रहण कराया गया था। 22 हेक्टेयर भूमि किसानों से खरीद ली थी। 35.238 हेक्टेयर भूमि ग्राम समाज की सुरक्षित श्रेणी की है। लिमिटेड को राजस्व विभाग से ग्राम समाज की सुरक्षित श्रेणी की 35 हेक्टेयर भूमि साढ़ के कुरौना बहादुरनगर में मिलनी है। राजस्व विभाग को दूसरी जगह की भूमि देनी थी

इस भूमि के बदले लिमिटेड को किसानों से खरीदकर राजस्व विभाग को जमीन देनी थी। 2013 में जब साढ़ में जमीन खरीदी गई थी तो साढ़ सदर तहसील में था पर अब नर्वल में हो गया है। इसकी वजह से लिमिटेड को राजस्व विभाग को दूसरी जगह की भूमि देनी थी। इसके लिए लिमिटेड ने सपई समेत तीन गांवों में 9.91 हेक्टेयर भूमि 15 अनुसूचित जाति के किसानों से खरीद ली जो राजस्व अभिलेखों में ऊसर, बंजर, जलाने वाली लकड़ी के नाम पर दर्ज थी।

एसडीएम सदर ने बैनामा करने से इन्कार कर दिया

जमीन खरीदने से पहले निदेशक ने प्रशासन की अनुमति भी नहीं ली थीं। 2021 जब निदेशक ने जमीन खरीदकर कंपनी के नाम दाखिल खारिज कराने के लिए सदर तहसील में आवेदन किया, तब यह सच सामने आया। इस पर एसडीएम सदर ने बैनामा करने से इन्कार कर दिया और सही जमीन खरीदने की बात कही। तब से अब तक लिमिटेड न तो दूसरी जमीन खरीद सकी और न ही दाखिल खारिज हो सका।

लापरवाही: आपदा में अवसर 12 की मृत्यु और 13 को मुआवजा

जांच समिति की समीक्षा में कानपुर देहात की खुली पोल

कानपुर , एजेंसी। कानपुर के सरसैया घाट नवीन सभागार में विधान परिषद की दैवी आपदा प्रबंधन जांच समिति ने कानपुर नगर, कानपुर देहात और औरैया जिले के अधिकारियों के साथ आपदा की समीक्षा की। कानपुर देहात के अधिकारियों की ओर से समिति को दैवी आपदा के दिए गए आंकड़े अपर मुख्य सचिव की रिपोर्ट से मेल न खाने पर सभापति एमएलसी अवनीश कुमार सिंह व सदस्य एमएलसी अरुण पाठक भड़क गए। अरुण पाठक ने एडीएम वित्त से कहा कि आपने दैवी आपदा में 2022-23 में 12 की मृत्यु दिखाई और 13 को मुआवजा दे दिया।

आप लोग बाबुओं के भरोसे काम कर रहे हैं। सीएमओ की रिपोर्ट और आपकी रिपोर्ट में मरने वालों की संख्या में भी गड़बड़ी है। इस सवाल पर कोई अधिकारी जवाब नहीं दे सका। समिति के सभापति इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह, सदस्य अरुण पाठक, अंगद कुमार व रामसूरत राजभर ने

सबसे पहले कानपुर देहात और औरैया जिले की समीक्षा की। सर्पदंश, गंगा-यमुना, तालाब-पोखरों में डूबकर मौतों के साथ वन क्षेत्र पर ज्यादा चर्चा की। सबसे पहले अधिकारियों का परिचय लिया तो कानपुर देहात के डीएम और औरैया के एसपी-एएसपी अनुपस्थित मिले।

बोले- सर, पोर्टल की गड़बडी है: सभापति ने कहा, बिना जानकारी के गायब होना ठीक नहीं। इसके बाद कानपुर देहात के आंकड़े शासन के आंकड़ों से मैच न करने पर एमएलसी पाठक ने कहा कि जिला 74 घटनाएं बता रहा और शासन से 60 की जानकारी मिली। सर्प दंश, अतिवृष्टि, बिजली, आंधी-तूफान व डूबने से हुई मौतों के आंकड़े ही अलग-अलग हैं। किसकी बात मानी जाए। इस पर भी अधिकारी जवाब नहीं दे सके। उसी समय आपदा विशेषज्ञ को पूछा तो पीछे बैठे कुर्सी पर बैठे अश्वनी खड़े होकर बोले सर, पोर्टल की गड़बडी है।

एमएलसी बोले- यह बड़ा खेल है: इस पर एमएलसी बोले यह बड़ा खेल है, दोष पोर्टल का दे रहे हो। उन्होंने जिले से मिलान करके रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए। इसपर समिति ने आपदा से निपटने के चार सूत्र बताए। कहा, पहले से तैयारी, तत्काल प्रतिक्रिया, जागरूकता व ऐसी व्यवस्था बने कि कम से कम आपदा आएं। सदस्य रामसूरत राजभर, अंगद कुमार ने कहा कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल योजना के अंतर्गत निर्मित पानी की टंकियों पर उच्च क्षमता के विद्युत तड़क यंत्र स्थापित कराएं, जिससे बिजली गिरने की घटनाएं रोकी जा सकें। डीएम औरैया डा. इंद्रमणि त्रिपाठी, एसपी देहात अरविंद मिश्र ने इस दिशा में बेहतरी से काम की बात कही।

सट्टे की बुरी लत...कर्ज में ऐसे डूब गए परिवार, छोड़ना पड़ गया अपना घर

फिरोजाबाद, एजेंसी। कांचनगरी में सट्टे से घर टूटकर बर्बाद हो रहे हैं। कुछ सट्टेबाजों के चुंगल में फंसकर अपनी जमापूंजी को खोकर जान दे रहे हैं तो कुछ शहर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्ष में शहर से बड़े से लेकर छोटे व्यापारी शहर को छोड़कर जा चुके हैं। वहीं सट्टेबाजों के खिलाफ 13जी एक्ट एक तरह से सुरक्षा कवच का काम कर रही है। सटोरियों का खुला उदेश्य बन गया है कि 13जी में चालान कराओ और जमकर सट्टा लगाओ।

केस एक: शहर के दक्षिण थाना क्षेत्र में कुछ वर्ष पहले एक हकीम चंद्र नाम का युवक गायब हो चुका है। पहले वह बसों में दौली बेचकर परिवार का भरण-पोषण करता था। लेकिन सट्टे की लत ने उसकी मेहनत खराब कर उसे कर्जदार बना डाला। फिर जब कर्जदारों ने उसकी चौखट पर आना शुरू किया तो वह परिवार को लेकर राजस्थान की ओर फरार हो गया।

केस दो: करीब दो साल पहले एक निजी बैंक में मैनेजर को सट्टे की लत ऐसी पकड़ी कि वह लगातार कर्जदार हो गया। नौबत यहां तक की आ गई कि लोगों के डर के कारण उसे नौकरी तक छोड़नी पड़ी। इस समय वह शहर के फरार हो गया है। इतना ही नहीं वहीं कई धनाढ्य परिवार सब कुछ खोकर शहर छोड़ चुके हैं। इन सबके पीछे कारण सट्टा कारोबार रहा।

दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नई टीमें जुड़ी, पंत सहित 10 से अधिक आईपीएल खिलाड़ी नीलामी में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने मंगलवार को दूसरे सीजन से पहले दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नई पुरुष फ्रेंचाइजी जोड़ने की घोषणा की। आउटर दिल्ली फ्रेंचाइजी को सबसे अधिक बोली लगाने वाले सविता पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने 10.6 करोड़ रुपए में हासिल किया। नई दिल्ली फ्रेंचाइजी को भीमा टोलिंग एंड ट्रैफिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और क्रेयॉन एडवरटाइजिंग लिमिटेड के कंसोर्टियम ने 9.2 करोड़ रुपए में खरीदा।

इससे लीग में पुरुष टीमों की संख्या 6 से बढ़कर आठ हो गई है। दो नई टीमें टूर्नामेंट के 2025 संस्करण के लिए छह मौजूदा फ्रेंचाइजी जिसमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, पुरानी दिल्ली 6, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज और वेस्ट दिल्ली लायंस शामिल हैं, हिस्सा लेंगी। सीजन 2 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 6 और 7 जुलाई को राजधानी में होगी। पुरुषों की नीलामी 6 जुलाई को होगी, उसके बाद महिलाओं की नीलामी 7 जुलाई को होगी।

दिलचस्प बात यह है कि पुरुषों की नीलामी में कई बेहतरीन खिलाड़ी शामिल होंगे जिनमें ऋषभ पंत, इशांत शर्मा जैसे नामी खिलाड़ी और प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, हर्षित राणा, दिग्वेश राठी, हिम्मत सिंह, सुयश शर्मा, मयंक यादव और अनुज रावत जैसे उभरते सितारे शामिल हैं। छक्क की वापसी पर बोलते हुए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, दिल्ली प्रीमियर लीग सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, यह राजधानी की गहरी जड़ें जमाए क्रिकेट संस्कृति का जश्न है। सीजन 1 में हमने जिस तरह की प्रतिभा देखी, वह वाकई आशाजनक थी और इस विस्तार के साथ हम और भी ज़्यादा खिलाड़ियों को चमकने का मंच दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, प्रियांश आर्य, दिग्वेश राठी और कई अन्य प्रतिभाएं जरिए उभरीं और छक्क 2025 के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जिससे भविष्य के सितारों के लिए लीग के महत्व को साबित किया जा सका। जुलाई में होने वाली नीलामी सीजन के लिए माहौल तय करेगी और हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि यह अनुभव फ्रैंचाइजी, खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए समान रूप से सहज और प्रभावशाली हो। हम सीजन 2 को लीग की यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गौरतलब है कि डीपीएल का सीजन 2 एक बार फिर नई दिल्ली के प्रतिष्ठित अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। खिलाड़ियों की नीलामी पूरी होने के बाद मैच की तारीखों और कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी।

दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान केशव महाराज जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार को बताया कि दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान केशव महाराज कमर में खिंचाव के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। महाराज, जो पूर्णकालिक नियमित टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा की अनुपलब्धता के बाद जिम्बाब्वे श्रृंखला के लिए कप्तान थे, को सोमवार को पहले टेस्ट के तीसरे दिन बल्लेबाजी करते समय चोट लग गई। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने एक बयान में कहा, श्रृंखला के कप्तान को पहले टेस्ट के तीसरे दिन बल्लेबाजी करते समय चोट लग गई। चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए वह आगे के आकलन के लिए घर लौटेंगे। सेनुरान मुथुसामी को उनके प्रतिस्थापन के रूप में नामित किया गया है, जबकि ऑलराउंडर वियान मुल्डर शनिवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में टीम की अगुवाई करेंगे। इस बीच दक्षिण अफ्रीका ने शुरुआती टेस्ट के तेज गेंदबाजों को छाप छोड़ने का एक और मौका देने के लिए लुंगी एनगिडी को भी टीम से बाहर कर दिया है। बोर्ड ने कहा, बुधवार को टीम में शामिल होने वाले तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को रिलीज कर दिया गया है, ताकि पहले टेस्ट में प्रभावित करने वाले तेज गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने का एक और मौका मिल सके। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप विजेता दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट में जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार फॉर्म में प्रदर्शन किया, जिसमें लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, कॉर्बिन बॉश और वियान मुल्डर ने शतक जड़े, जबकि कोडी यूसुफ, महाराज, मुल्डर और बॉश ने विकेट्स लिए जिससे प्रोटियाज ने 328 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। दूसरा टेस्ट भी 6 जुलाई से बुलावायो में खेला जाएगा।

शिखर धवन का खुलासा

जब उसने 200 बनाए, तो मैं समझ गया मेरा करियर खत्म हो गया है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के धमाकेदार ओपनर शिखर धवन ने पिछले साल 2024 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था जबकि बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने टीम के साथ अंतिम बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के तौर पर सफर किया था। इस दौरान उन्होंने तीन पारियों में केवल 18 रन बनाए। इसी दौरे में 24 वर्षीय ईशान किशन ने वनडे में दोहरा शतक जड़कर रिकॉर्ड बनाया और ऐसा करने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने। धवन ने खुलासा किया कि जब उन्होंने ईशान को 200 रन बनाते देखा तो उन्हें समझ आ गया था कि अब उनका करियर खत्म हो गया है।

धवन ने एक मीडिया हाउस को इंटरव्यू में कहा, मैं बहुत सारे 50 रन बना रहा था, मैंने 100 रन नहीं बनाए लेकिन मैंने बहुत सारे 70 रन बनाए। जब ईशान किशन ने 200 रन बनाए, तो मेरी अंतरात्मा ने मुझसे कहा, ठीक है बेटा यह तुम्हारे करियर का अंत हो सकता है। मेरे अंदर से एक आवाज आई। और वही हुआ। फिर मुझे याद है कि मेरे दोस्त मुझे भावनात्मक सहारा देने आए थे। उन्हें लगा कि मैं बहुत उदास हो जाऊंगा। लेकिन मैं शांत था, मैं आनंद ले रहा था।

धवन ने बांग्लादेश के खिलाफ उस मुकाबले में 3 रन बनाए और भारत ने 227 रनों की बड़ी जीत दर्ज की। यह आखिरी बार था जब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज भारत की तरफ से खेलेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम से बाहर किए जाने के बाद भारतीय टीम के किसी साथी ने उनसे संपर्क किया, तो 39 वर्षीय धवन ने नकारात्मक जवाब दिया और कहा कि टीम में अपनी जगह खोना उनके लिए कोई झटका नहीं है, क्योंकि वह आयु वर्ग के क्रिकेट से ही इसके आदी हैं।

धवन ने कहा, %नहीं, ऐसा नहीं होता (टीम के साथी किसी के बाहर किए जाने के बाद संदेश भेजते हैं)। शायद मैंने राहुल (द्रविड़) भाई से बात की हो। उन्होंने मुझे संदेश भेजा। हर किसी की अपनी यात्रा होती है और वे काम कर रहे होते हैं या दौरे पर होते हैं, यह बहुत सामान्य बात है। हम 14 साल से कम उम्र से इसके आदी हैं, यह पहली बार नहीं है जब मुझे बाहर किया गया या टीम में शामिल किया गया।

जब भारत ने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती, तो उन्होंने शीर्ष स्कोरर होने के लिए प्लेयर-ऑफ-द-टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता। उन्होंने 2015 के वनडे विश्व कप और 2017 के चैंपियंस ट्रॉफी में फिर से बल्लेबाजी चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया। आईसीसी प्रतियोगिताओं में उनका औसत 65 का रहा। अपने करियर के दौरान 167 वनडे मैचों में धवन ने 44.11 की औसत से 6793 रन बनाए, जिसमें 17 शतक और 39 अर्धशतक शामिल हैं। धवन ने 34 टेस्ट की 58 इनिंग्स में 40.61 की औसत और 190 के हाइएस्ट स्कोर के साथ 2315 रन बनाए हैं जिसमें 5 अर्धशतक और 7 शतक शामिल हैं। उन्होंने टी20आई में 68 मैचों में 1759 रन बनाए जिसमें 11 अर्धशतक शामिल थे। टी20आई में धवन का हाइएस्ट 92 रहा।

भारत-इंग्लैंड दूसरा टेस्ट

भारत की खराब शुरुआत

वोक्स ने केएल राहुल को बोल्ड किया जायसवाल-करुण एलबीडब्ल्यू होने से बचे

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का दूसरा टेस्ट बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम पर खेला जा रहा है। बुधवार को मुकाबले का पहला दिन है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है।

पहले सेशन में भारतीय टीम ने पहली पारी में एक विकेट पर 70 रन बना लिए थे। यशस्वी जायसवाल और करुण नायर क्रीज पर थे इनसे अच्छी पारी की उम्मीद जताई जा रही थी। केएल राहुल (2 रन) को क्रिस वोक्स ने बोल्ड कर दिया। उनके ओवर में जायसवाल एलबीडब्ल्यू होने से बच गए। भारतीय टीम 3 बदलाव के साथ उतरी है। जसप्रीत बुमराह यह मैच नहीं खेल रहे हैं, उनकी जगह आकाश दीप खेल रहे हैं। नीतीश कुमार रेड्?डी और वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया है। बर्मिंघम टेस्ट का

दोनों टीमों के खिलाड़ी काली पट्?टी बांधकर उतरे – इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर वेन लार्किंस को श्रद्धांजलि देने के लिए दोनों टीमों के खिलाड़ी बांह में काली पट्?टी बांधकर उतरे।

जायसवाल के चौके से भारत का खाता खुला था – यशस्वी जायसवाल ने मैच का पहला ओवर डाल रहे क्रिस वोक्स की 5वीं बॉल पर चौका लगाया। इसी चौके के साथ भारतीय टीम का खाता भी खुल गया। जायसवाल ने लेग स्टंप की बॉल पर फाइन लेग की ओर धकेल दिया।

भारतीय टीम में 3 बदलाव – भारतीय टीम ने 3 बदलाव किए हैं। कप्तान शुभमन गिल ने टॉस के समय कहा, हम भी टॉस जीतते तो पहले गेंदबाजी ही करते। अगर पिच में कुछ है, तो पहले दिन ही रहता है। टीम में तीन बदलाव किए हैं, नीतीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और आकाश दीप खेल रहे हैं।बुमराह इस मैच में नहीं खेलेंगे, यह सिर्फ उनके वर्कलोड मैनेजमेंट का फैसला है। तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स में है, वहां पिच में ज्यादा मदद मिलने की उम्मीद है, इसलिए बुमराह को वहां के लिए बचाकर रखा है। कुलदीप को खिलाने का मन था, लेकिन अंत में बैटिंग को थोड़ा और गहराई देने का फैसला किया था।

पिछले टेस्ट से आत्मविश्वास बढ़ा– स्टोक्स – इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा, हम पहले गेंदबाजी करेंगे। मौसम गेंदबाजी के अनुकूल हैं। पिछले टेस्ट में हमारी टीम का शानदार प्रदर्शन था, जिससे आत्मविश्वास बढ़ा है। टीम जैसे-जैसे टेस्ट आगे बढ़ता है, हालात को बेहतर तरीके से समझती हैं।

एजबेस्टन मैदान पर 58 साल से इंग्लैंड से टेस्ट नहीं जीता भारत – भारतीय टीम बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर पिछले 58 साल से टेस्ट मैच खेलते आ रही है। टीम ने यहां इंग्लैंड से पहला मैच 1967 में खेला था। तब से अब तक भारतीय टीम ने इस मैदान पर 8 टेस्ट खेले, लेकिन किसी में भी जीत नसीब नहीं हुई। भारतीय टीम ने यहां 39 साल पहले 1986 में एक ड्रॉ मैच खेला था, टीम को बाकी 7 मुकाबलों में हार मिली। भारतीय टीम ने इंग्लैंड में अपना सफर 1932 में शुरू किया था। तब से अब तक दोनों टीमों के बीच 137 टेस्ट मैच खेले गए। इनमें 52 टेस्ट इंग्लैंड ने अपने नाम किए, जबकि 35 मैच टीम इंडिया ने जीते। वहीं, 50 टेस्ट ड्रॉ भी रहे। भारत ने इंग्लैंड में 68 टेस्ट खेले और 9 ही मैच जीते, टीम ने यहां 22 टेस्ट ड्रॉ भी कराए हैं। हालांकि, 37 मुकाबलों में इंग्लैंड को जीत मिली।

पिछले एक साल में पंत ने सबसे ज्यादा रन बनाए – पिछले एक साल में ऋषभ पंत ने भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होंने 11 मैचों में 46.45 के एवरेज से 929 रन बनाए हैं। इतना ही नहीं, पंत ने पिछले मैच की दोनों पारियों में शतक लगाए थे। उनके अलावा, यशस्वी जायसवाल ने एक जून 2024 के बाद भारत की ओर से 41.66 के औसत से 875 रन बनाए हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

इंग्लैंड– बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

भारत – शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

एशिया कप शेड्यूल

पांच सितम्बर से यूएई में शुरू होगा टूर्नामेंट

यूएई (एजेंसी)। एशिया कप 5 सितंबर को शुरू होने की संभावना है जबकि खिताबी मुकाबला 21 सितंबर को होगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने 17 दिन की अवधि को लगभग अंतिम रूप दे दिया है और भारत शुरुआती मैच में 7 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगा। मेजबान भारत सहित सभी भाग लेने वाले देश यूएई में खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए अपनी-अपनी सरकारों से मंजूरी लेने के करीब हैं। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और यूएई भाग लेने वाले देश होंगे और बहु-राष्ट्र आयोजन ग्रुप चरण और सुपर फोर प्रारूप का पालन करने के लिए तैयार है। इसका मतलब है कि भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला कम से कम दो बार देखने को मिलेगा। दूसरा मुकाबला 14 सितंबर को हो सकता है। टूर्नामेंट की तैयारियां शुरू हो गई है और आधिकारिक प्रसारक सोनी ने एक पोस्टर भी साझा किया है। एशिया कप पर नए घटनाक्रम उन सभी हितधारकों के लिए स्वागत योग्य समाचार है जो बहु-राष्ट्रीय आयोजनों में भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत पर भरोसा कर रहे थे। हाल ही में सीमा पार तनाव ने स्थिति को थोड़ा जटिल बना दिया था, लेकिन यूएई में दोनों पक्षों के आमने-सामने होने के साथ, वैश्विक टूर्नामेंटों में इस मुकाबले का भविष्य उज्ज्वल दिखाई देता है। बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका अगले तीन संस्करणों के आधिकारिक मेजबान होने जा रहे हैं और टूर्नामेंट का प्रारूप बदलता रहेगा।

जेसिका पेगुला विंबलडन के पहले राउंड से बाहर

इटली की कोकियारेटो ने हराया, डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज की जीत से शुरुआत

लंदन (एजेंसी)। दुनिया की नंबर-3 टेनिस स्टार जेसिका पेगुला विम्बलडन-2025 के पहले राउंड में उलटफेर का शिकार हो गई हैं। तीसरी सीड पेगुला को वर्ल्ड रैंकिंग में 116वें नंबर की खिलाड़ी एलिसाबेटा कोकियारेटो ने महज 58 मिनट में हरा दिया। 31 साल की अमेरिकी खिलाड़ी ने यह मैच सीधे सेट में 6-2, 6-3 से गंवाया। यह उनका इस साल का सबसे खराब प्रदर्शन है। पेगुला पिछले 5 साल में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के पहले राउंड से बाहर हुई हैं। इससे पहले वे 2020 में फ्रेंच ओपन के पहले दौर से बाहर हुई थी। पेगुला से पहले डेनियल मेदवेदेव और 8वीं सीड होल्गर रून उलटफेर का शिकार हुए।

डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज की जीत से शुरुआत – 2 बार के चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने जीत से शुरुआत की। उन्होंने इटली के फैबियो फोगनिनी को 4 घंटे से ज्यादा चले मैच में 7-5, 6-7 (5-7), 7-5, 2-6, 6-1 से हराया। अब उनका मुकाबला 21 साल के टार्वेट से होगा, जिन्होंने विंबलडन में अपने पहले मैच में स्विट्जरलैंड के लिएंड्रो रीडी को हराया है।

सबालेंका की वर्ल्ड नंबर-1 रहते 50वीं जीत – दुनिया की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने टूर्नामेंट में बेहतरीन जीत से आगाज किया। सबालेंका ने कनाडा की कार्सन ब्रेंस्टीन को लगातार सेट में 6-1, 7-5 से हराया। यह सबालेंका की वर्ल्ड नंबर-1 रहते ?हुए विमेंस टेनिस एसोसिएशन में 50वीं जीत रही। वे ऐसा करने वाली 9वीं ?खिलाड़ी बनीं। उनसे पहले, हिंगिस, सेरेना, डेवनपोर्ट, जस्टिन हेनिन, वोज्नियाकी, अजारेंका, बार्टी और स्वातेक ने ऐसा कर चुकी है।सबालेंका की इस साल यह 43वीं जीत थी। वे साल 2023 के बाद इस ग्रैंड स्लैम में हिस्सा ले रही हैं। डेनियल मेदवेदेव और टूर्नामेंट के 8वीं सीड होल्गर रून पहले राउंड में उलटफेर का शिकार हुए। रून को निकोलस जैरी ने 4-6, 4-6, 7-5, 6-3, 6-4 और मेदवेदेव को बेंजामिन बोंजी ने 7-6, 3-6, 7-6, 6-2 से हराया।

छह साल की उम्र में थामा बैडमिंटन, अब जूनियर वर्ल्ड नंबर 1 बनीं भारत की तन्वी शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब की गोल्डन गर्ल तन्वी शर्मा बैडमिंटन में जूनियर वर्ल्ड नंबर 1 बन गई हैं। तन्वी हाल ही में बीडब्लूएफ सुपर 300 यूएस ओपन 2025 में महिला एकल वर्ग में उपविजेता रहीं थी। महिला एकल के फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा को शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करते हुए रजत पदक से संतोष करना पड़ा। विश्व टूर स्तर के अपने पहले फाइनल में खेल रही गैर-वरीयता प्राप्त इस किशोर खिलाड़ी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। विश्व में 66वें स्थान पर काबिज यह युवा भारतीय शटलर जूनियर विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी बन गई है और विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में शीर्ष 50 में शामिल हो गई है। उसने बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 में अपने अभियान से वैश्विक बैडमिंटन समुदाय को चकित किया जिसमें विश्व की 23वें नंबर की खिलाड़ी सहित कई उच्च रैंक वाली प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल में प्रवेश करना शामिल था। तन्वी अगले महीने होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीतने का लक्ष्य रखकर चल रही है। वह अब गुवाहाटी में भारतीय बैडमिंटन टीम के शिविर में शामिल होगी। टीम अगले महीने इंडोनेशिया में होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में भाग लेगी। तन्वी ने 6 साल की छोटी सी उम्र में बैडमिंटन खेलना शुरू कर दिया था। शुरू से से ही प्रतिभाशाली रही तन्वी ने प्रतिष्ठित पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में चार साल से अधिक समय तक प्रशिक्षण लिया। इस दौरान उसने भारत के कुछ शीर्ष शटलरों के साथ ट्रेनिंग ली जिसने उनके कौशल को निखारा।

गुइरासी के दो गोल से डॉर्टमंड क्वार्टर फाइनल में, गार्सिया के गोल से रियल मैड्रिड भी अंतिम-8 में

लंदन, एजेंसी। सेरहो गुइरासी ने पहले हाफ में दो गोल किए, जिससे बोरूसिया डॉर्टमंड ने क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 के मैच में मॉन्टेरी को 2–1 से हरा दिया। गुइरासी ने 14वें और 24वें मिनट में गोल किए जो डॉर्टमंड को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाने के लिए पर्याप्त थे। इन दोनों गोल में करीम अदीमी ने उनकी मदद की। वह अपने इस क्लब की तरफ से अभी तक कुल 37 गोल कर चुके हैं। पराजित टीम की तरफ से एकमात्र गोल जर्मन बर्टेरामे ने किया। क्वार्टर फाइनल में डॉर्टमंड का सामना शनिवार को न्यू जर्सी में रियल मैड्रिड से होगा।गोंजालो गार्सिया ने क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना तीसरा गोल किया, जिससे रियल मैड्रिड ने राउंड ऑफ 16 में युवेंटस को 1–0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी के कारण गार्सिया ने रियल मैड्रिड के सभी चार मैचों में शुरुआत की है।इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को 54वें मिनट में हेडर से गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।